पहली खबर, सबपे नजर

अमृतवर्षा

पटना

वर्ष - 38

अंक - 83

मंगलवार, 09 अप्रैल 2024

रजि. नं. पी टी. - 405

पेज - 08

मूल्य - 2.00

website:- www.amritvarshanews.in/e-mail:- amritvarshanews2015@gmail.com

पटना, धनबाद व नई दिल्ली से प्रकाशित

न्यूज फ्लैश

10 आईएएस अफसर विभिन्न राज्यों में बने चुनाव प्रेक्षक

पटना। बिहार कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 10 अधिकारियों को चुनाव आयोग ने विभिन्न राज्यों में सामान्य प्रेक्षक के रूप में नियुक्त किया है। इन अधिकारियों में समाज कल्याण विभाग के सचिव प्रेम सिंह मीणा, बिहार मानवाधिकार आयोग के सचिव राजेश कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह, वित्त विभाग के सचिव (व्यय) दीपक आनंद शामिल हैं। योजना एवं विकास विभाग के विशेष सचिव हिमांशु कुमार राय, खान निदेशक नैय्यर इकबाल, संग्रहालय निदेशक राहुल कुमार, मध्याह्न भोजन निदेशक मिथिलेश मिश्र, पशुपालन निदेशक नवदीप शुक्ला और श्रमायुक्त रंजीता को भी प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। प्रेम सिंह मीणा को छत्तीसगढ़, राजेश कुमार, राहुल कुमार, मिथिलेश मिश्र को महाराष्ट्र, जय सिंह व दीपक आनंद को गुजरात, हेमंत कुमार राय व रंजीता को मध्यप्रदेश, नैय्यर इकबाल को असम में सामान्य प्रेक्षक बनाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने सोमवार को इन सभी अधिकारियों को चुनाव आयोग के निदेशों का पालन करने के संबंध में निर्देश जारी किया।

राज्यपाल ने नवरात्र की दी बधाई

पटना। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने भारतीय विक्रम नव संवत्सर-2081 की शुरूआत एवं चैत्र वासंती नवरात्र के अवसर पर समस्त बिहारवासियों और देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने कामना की है कि विक्रम नव संवत्सर और चैत्र नवरात्र सबके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आये।

लग्जरी घड़ियों की तस्करी में फंसा तेलंगाना के मंत्री का बेटा

चेन्नई। चेन्नई कस्टम ने तेलंगाना के मंत्री के बेटे पोंगुलेटी हर्षा रेड्डी पर कार्रवाई की है। अधिकारियों के मुताबिक, पोंगुलेटी हर्षा रेड्डी पर रई करोड़ों की घड़ियों की तस्करी का आरोप लगा है। मंत्री के बेटे को समन भेजा गया है और चार अप्रैल को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। चेन्नई कस्टम के सूत्रों ने बताया कि रेड्डी को 4 अप्रैल को पेश होने के लिए कहा गया था, लेकिन 3 अप्रैल को लिखे एक पत्र में उन्होंने यह कहते हुए उपस्थित होने में असमर्थता जताई कि वह डेंगू बुखार से उबर रहे हैं। हर्षा रेड्डी ने 27 अप्रैल के बाद पूछताछ के लिए सहमति जताई है। तेलंगाना के राजस्व और आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के बेटे ने कहा कि मुझपर निराधार आरोप लगाए गए हैं। मेरा इन मामलों से कोई लेना-देना नहीं है। मैं अभी अस्वस्थ हूं। पांच फरवरी को तस्करी का मामला दर्ज किया गया था, जब हांगकांग स्थित भारतीय मुहम्मद फहरदीन मुबीन के पास से चेन्नई में दो लक्जरी घड़ियां (पाटेक फिलिप 5740 और ब्रेगुएट 2759) जब्त की गई थी। घड़ियों की असली कीमत 1.73 करोड़ रुपये है। पाटेक फिलिक का भारत में कोई डीलर नहीं है, जबकि भारतीय मार्केट में ब्रेगुएट का स्टॉक समाप्त हो गया है। जांच में पता चला कि हर्षा रेड्डी ने आलोकम नवीन कुमार के जरिए मुबीन से घड़ियां खरीदी थी।

महागठबंधन सरकार में सभी कामों को हमने किया, झूठ बोलकर क्रेडिट ले रहे हैं तेजस्वी, नीतीश बोले

'लालू-राबड़ी राज में घर से कोई निकलता था...'

पटना, अमृतवर्षा ब्यूरो

बिहार में एनडीए सरकार से लड़ने के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने अपने 17 महीने की सरकार के कार्यकाल को अपना प्रमुख हथियार बनाया हुआ है। तेजस्वी अपनी हर जनसभा और मीडिया बयान में यह कहते नजर आते हैं कि बिहार में बड़े पैमाने पर बहाली हुई जिनमें उनकी अग्रणी भूमिका रही। जो नीतीश कुमार 2020 के विधानसभा में रहते थे कि इतना पैसा क्या अपने पिता के यहां से आएगी उनसे भी हमने नियुक्ति पत्र बंटवाने का काम किया। भतीजे तेजस्वी के इसी बयानों को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को महागठबंधन और तेजस्वी यादव पर जमकर हमला किया। सीएम नीतीश ने कहा है कि तेजस्वी झूठमुठ का ये सब बोल रहे हैं, सारा काम हम किए हैं।

आप लोग ही याद करिए, पहले माता-पिता के राज में कोई काम हुआ था: तेजस्वी यादव लगातार नौकरी देने का श्रेय ले रहे हैं, इसपर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि आप लोग नहीं जानते हैं क्या कि यहां पर कौन सब कुछ किया है। जो काम किए कुछ दिन के लिए उनको लाए लेकिन ये सब काम मेरा पहले से है। एक-एक काम हम करवाए हैं। झूठ मुठ का बोलते रहता है। उ सब क्या क्या है। जरा आप लोग ही याद करिए। पांच के पहले माता-पिता 15 साल कोई काम हुआ है। शाम में घर से कोई निकलता था, डर के मारे। कहीं कोई सड़क था जरा याद करिए अपने पुराने लोगों से पता कीजिए अब देखिए तो पटना मे कैसा-कैसा बिल्डिंग है।

वो तो झूठे कुछ-कुछ बोलते रहेगा: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि ये सब काम तो हम लोग करवाए हैं लेकिन झूठे कुछ-कुछ बोलते रहेगा लेकिन अब बात है कि अपना प्रचारझ्प्रसार करता है। हम तो अपना काम में लगे रहते हैं। हम प्रचार-प्रसार वाले नहीं न हैं हम तो काम में लगे रहते हैं और बाकी बिना कुछ किए ही अपना प्रचार करने में लगा रहता है। उ सब क्या काम किया, सारा काम हमलोगों का किया हुआ है। आप तो जानते ही हैं कि सब कुछ तय करना किसका काम था। आ जब उ सब को लाए कुछ दिन के लिए लेकिन उसके पहले से ही न सबकुछ तय था।

रोहिणी आचार्य के चुनावी मैदान में उतरने का कोई मतलब नहीं: लालू प्रसाद की दो बेटियों मीसा भारती और रोहिणी आचार्य के चुनावी मैदान में उतरने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उ सबका कोई मतलब नहीं है। उसको जो मन में आवे करते रहे। कोई काम किया है इ सब पहले कितना हिंदू-मुस्लिम में झंझट होता था और जब हम लोग सरकार में आए तभी न सब कुछ शांत किए लेकिन अपना कुछ से कुछ करते रहता है किसी बात का चिंता एकदम मत करिए हम लोग अपना काम करते रहते हैं। लोगों को मालूम है। लोगों के बीच जाकर एक-एक चीज को देखना और लोगों के बीच में अपना बात रखना हमलोगों का काम है और बाकी जिसको जो मन में आए करता रहे। झूठ बात कहते रहे।

पटना पार्टी दफ्तर में पहुंचे थे नीतीश, कहा- हम हर जगह प्रचार करने जाएगें: लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद पहली बार सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना पार्टी दफ्तर में पहुंचे। ऑफिस जाकर उन्होंने पार्टी के प्रमुख नेताओं और प्रवक्ताओं के साथ लोकसभा चुनाव को लेकर बात की। नीतीश कुमार जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। वे करीब 10 मिनट तक वहां रुके। बिहार की सभी 40 सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत के लिए अपने नेताओं को टिप्स दिया। प्रवक्ताओं को बताया कि चुनावी माहौल में मीडिया को कैसे हैंडल करना है। उन्हें कैसे जवाब देना है। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि, हम लोग काम के बल पर हम लोग लोगों के बीच जा रहे हैं और चुनाव जीतेंगे। सीएम नीतीश ने बताया कि वह हर जगह चुनाव प्रचार में भी जाएंगे। पत्रकारों से वार्ता के दौरान यह बात उठी कि तेजस्वी यादव लगातार नौकरी देने का श्रेय ले रहे हैं। इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आप लोग नहीं जानते हैं कि यहां पर कौन सब कुछ किया है। उनको कुछ दिनों के लिए साथ लाए थे। लेकिन ये सब काम मेरा पहले से है। एक-एक काम हम करवाए हैं।

केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देनेवाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में फैसला आज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर मंगलवार को फैसला सुनाएगा। उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई वाद सूची के अनुसार न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा मंगलवार को दोपहर 2:30 बजे याचिका पर आदेश सुनाएंगी। अरविंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी के अलावा प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेजे जाने को भी चुनौती दी है। ईडी की हिरासत के बाद केजरीवाल को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और वर्तमान में वह तिहाड़ जेल में बंद हैं।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने एजेंसी द्वारा उनकी गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठाया है। याचिका में कहा गया है कि यह लोकतंत्र, निष्पक्ष चुनाव और समान अवसर सहित संविधान की बुनियादी संरचना का उल्लंघन है। ईडी ने याचिका का विरोध किया और दलील दी कि केजरीवाल चुनाव के आधार पर गिरफ्तारी से छूट का दावा नहीं कर सकते क्योंकि कानून उन पर और किसी भी आम नागरिक पर समान रूप से लागू होता है। ईडी ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में 21 मार्च को केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। ईडी की हिरासत की अवधि समाप्त होने पर निचली अदालत में पेश किए जाने के बाद आप नेता को एक अप्रैल को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। यह मामला 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति को तैयार करने और क्रियान्वित करने में कथित भ्रष्टाचार और धन शोधन से संबंधित है। यह नीति रद्द की जा चुकी है।

पीएम का 12 दिन में तीसरी बार बिहार दौरा

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 दिनों के भीतर तीसरी बार बिहार दौरे पर आने वाले हैं। पीएम मोदी की गया में 16 अप्रैल को चुनावी जनसभा प्रस्तावित है। पहले चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन पीएम मोदी गया लोकसभा सीट से एनडीए के प्रत्याशी पूर्व सीएम जीतनराम मांझी के समर्थन में रैली करके वोट मांगेंगे। हाल ही में उन्होंने जमुई में लोजपा रामविलास के कैंडिडेट अरुण भारती और नवादा में बीजेपी प्रत्याशी विवेक ठाकुर के समर्थन में भी रैली की थी। पहले चरण में बिहार की गया, औरंगाबाद, नवादा और जमुई लोकसभा सीट पर चुनाव होने हैं। इनमें से तीन सीटों पर पीएम मोदी तो एक सीट औरंगाबाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रैली बीजेपी ने आयोजित की है। जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गया के गांधी मैदान में 16 अप्रैल को चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। गया से हम के टिकट पर जीतनराम मांझी चुनाव लड़ रहे हैं। उनके समर्थन में पीएम मोदी जनसभा कर-के वोट मांगेंगे। इससे पहले 13 अप्रैल को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मांझी के लिए गया में रोड शो और रैली करने वाले हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव प्रचार का 16 अप्रैल को आखिरी दिन है।

भारत ने विकास दर मामले में चीन को पछाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अर्थव्यवस्था पिछले एक दशक से लगातार वृद्धि की ओर है। इस बात का जिक्र करते हुए यूरोपीय संसद के थिंक टैंक एक्सपर्ट एंजेलोस डेलिवोरियस ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जीडीपी वृद्धि दर का चीन से अधिक होना दुनिया भर में एक मजबूत आर्थिक महाशक्ति के रूप में नई दिल्ली के उदय को दशार्ता है। डेलिवोरियास ने कहा, भारत ने चीन की विकास दर को पीछे छोड़ दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में भी यह पैटर्न बना रहेगा।' उन्होंने कहा कि नई दिल्ली की ओर से आर्थिक विकास को लेकर जो नीतियां बनाई गई हैं, उनका असर दिख रहा है। गौरतलब है कि पिछले कुछ बरसों में भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर चीन से अधिक रही है। 2023 में भारत की औसत वृद्धि 7.5 प्रतिशत से अधिक रही, जबकि चीन की औसत वृद्धि 5.2 प्रतिशत थी। इसके अलावा, भारत की जीडीपी भी 2026 तक 7 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। अगर चीन की बात करें तो उसकी जीडीपी 4.6 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। क्त्त्त्रके अनुसार, चीन की 2024 की वृद्धि दर 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो 2028 में घटकर 3.5 प्रतिशत हो जाएगी। यूरोपीय संसद के नीति विशेषज्ञ ने कहा, 'हाई जीडीपी वृद्धि के अलावा, भारत ने अपने आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश किया है। यह इंटरनेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में भी भाग लेता है। पिछले साल हमने ?देखा कि अंतरिक्ष कार्यक्रम को लेकर काफी प्रगति हुई है। भारत चंद्रमा पर उतर चुका है।' उन्होंने कहा कि नई दिल्ली के पास इसे लेकर व्यापक आर्थिक रणनीति है। 'भारत क्यों मायने रखता है और यूरोपीय संघ के लिए इसका क्या अर्थ है' विषय पर ईपीआरएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने यह बात कही।

कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर समेत 5 लोकसभा सीटों पर दूसरे चरण में चुनाव, नामांकन आज से शुरू

पटना, अमृतवर्षा सं.। लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण में बिहार की पांच लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। इस चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई है। निर्वाचन विभाग ने दूसरे चरण की अधिसूचना जारी कर दी है। इसमें कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर, किशनगंज और बांका सीट पर चुनाव होना है। एनडीए की ओर से इन पांचों सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी गई है। इन सभी पर जेडीयू चुनाव लड़ेगी। वहीं, महागठबंधन में अभी सीट बंटवारे का ऐलान नहीं हुआ है। हालांकि, पूर्णिया लोकसभा सीट से आरजेडी ने बीमा भारती को टिकट दे दिया है। वहीं, दूसरे चरण में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम भी ताल ठोकेगी। दूसरे चरण में सभी पांचों सीटें सामान्य श्रेणी की हैं। इन सीटों के लिए उम्मीदवार 4 अप्रैल तक नामाकंन दाखिल कर सकेंगे। 5 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। नामांकन वापसी की तारीख 8 अप्रैल है। दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल को वोटिंग होगी, रिजल्ट सभी चरणों का एक साथ 4 जून को जारी होगा। बता दें कि बिहार में कुल 7 चरणों में लोकसभा चुनाव संपन्न कराए जाएंगे।

विंध्य में राहुल गांधी की दो टूक, बोले

हमारी सरकार आई, तो उड़ा देंगे अग्निवीर योजना

शहडोल, एजेंसी। लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और मध्य प्रदेश के जिन लोकसभा सीटों पर पहले चरण में मतदान होने हैं. वहां पर देश के दिग्गज नेताओं का आना-जाना भी शुरू हो गया है। शहडोल लोकसभा सीट में भी 19 अप्रैल को ही मतदान होना है। शहडोल लोकसभा सीट आदिवासी बाहुल्य सीट है और इसीलिए इस लोकसभा सीट पर देश के बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं का भी आना-जाना शुरू है। अभी कुछ दिन पहले ही बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चुनावी सभा को संबोधित किया था। आज कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी ने एक बड़ी चुनावी जनसभा को संबोधित किया। शहडोल लोकसभा सीट आदिवासी बहुल सीट है। यहां पर राहुल गांधी ने भी आदिवासियों को साधने की कोशिश की और अपने चुनावी भाषण में आदिवासियों को लेकर आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, दलित और गरीब वर्ग को लेकर कई अहम बातें कही। अपने भाषण के दौरान राहुल गांधी ने घोषणा पत्र को तो समझाया ही, साथ ही आखिरी में अग्निवीर योजना को लेकर भरे मंच से बड़ा बयान दिया। अग्निवीरों को लेकर राहुल गांधी ने साफ कहा कि 'सेना नहीं चाहती की अग्निवीर हों, इसलिए अगर हमारी सरकार आई तो हम अग्नि वीर को उड़ा देंगे। राहुल गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'पहले गरीब लोग सेना में जाते थे, तो पेंशन मिलती थी शहीद का दर्जा मिलता था और कैंटीन मिलती थी। अब इन्होंने कहा कि नहीं भैया अब तो हम अग्नि वीर बना रहे हैं। चार युवाओं को लेंगे, 6 महीने की ट्रेनिंग देंगे और चीन वाला सैनिक 5 साल की ट्रेनिंग लेकर आएगा। नतीजा आप समझ जाओ और फिर जब हमारा लड़का शहीद होगा और उसे कहेंगे भैया आपको शहीद का दर्जा नहीं मिलेगा।

केके पाठक की नहीं सुन रहे वीसी, आज राज्यपाल ने बुलाई बैठक

शिक्षा विभाग की छठी मीटिंग भी फेल

पटना, अमृतवर्षा सं.। बिहार में शिक्षा विभाग और राजभवन के बीच टकराव थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसकी बानगी सोमवार को शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक द्वारा आयोजित विश्वविद्यालयों की बैठक में देखी गई। हर बार की तरह इस बैठक में भी बिहार के एक भी यूनिवर्सिटी के कुलपति (वीसी) नहीं पहुंचे। इस कारण छठी बैठक भी बेनतीजा रही। इससे पहले केके पाठक की पांच बैठकों से भी कुलपतियों ने किनारा किया था। अब राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मंगलवार को राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के वीसी की बैठक बुला ली है। इसमें राज्यपाल शिक्षा विभाग के द्वारा भेजे गए पत्र से विश्वविद्यालयों में आ रही बाधा पर चर्चा करेंगे। दरअसल, शिक्षा विबाग ने सोमवार को विश्वविद्यालयों में परीक्षा एवं अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए बैठक आयोजित की थी। इसमें राज्य के सात विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को आमंत्रित किया गया था। मगर इसमें एक भी कुलपति शामिल नहीं हुए। यह लगातार छठी बैठक है, जिसमें कोई वीसी नहीं आए। राजभवन और विभाग के बीच चल रहे विवाद को लेकर यह स्थिति उत्पन्न हुी है। अब राज्यपाल खुद मंगलवार को कुलपतियों संग बैठक करके इस विवाद का हल निकालने का प्रयास करेंगे।

केके पाठक ने दी टेंशन? होली के बाद ईद पर भी शिक्षकों की ट्रेनिंग: बता दें कि शिक्षा विभाग और राजभवन में यूनिवर्सिटी के अधिकारों को लेकर लंबे समय से टकराव चल रहा है। पूर्व में विभाग की कुछ बैठकों में कुलपतियों के जाने पर राजभवन की ओर से रोक लगा दी गई थी। इसके बाद केके पाठक के विभाग ने बैठक में नहीं आने वाले कुलपतियों, कुलसचिवों और विश्वविद्यालयों के अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की। उनका वेतन रोक दिया गया। इस पर पदाधिकारियों में गहरा रोष व्याप्त हुआ। हालांकि, पिछले दिनों राजभवन ने शिक्षा विभाग की बैठक में शामिल होने की अनुमति यूनिवर्सिटी के पदाधिकारियों को दे दी। इसके बावजूद पिछली दो बैठकों में कोई भी वीसी मीटिंग में नहीं गए।

बस्तर में पीएम मोदी का कांग्रेस पर वार, कहा

गरीबी हटने तक चैन से नहीं बैठूंगा, देश में लूट व्यवस्था हुई बंद

बस्तर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बस्तर के आमाबेला गांव में बीजेपी की विजय संकल्प रैली में शामिल हुए. सीएम विष्णुदेव साय सहित पूरी छत्तीसगढ़ कैबिनेट ने पीएम मोदी का स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी ने विजय संकल्प रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक गरीब की चिंता दूर नहीं होगी, मोदी चैन से नहीं बैठेगा। देश में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकले हैं।छत्तीसगढ़ ने मोदी की गारंटी पर मुहर लगाई। जिसकी बदौलत आज पूरा देश मोदी की गारंटी पर विश्वास कर रहा है।इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया।पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस ने गरीबों को नजरअंदाज किया है। गरीबों का दर्द समझने में कांग्रेस नाकाम रही।

भ्रष्टाचारियों की धमकी से डरने वाला नहीं, भ्रष्टाचारी जाएंगे जेल: छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी भ्रष्टाचारियों पर कड़ी कार्रवाई हो रही है, युवाओं पर हुए धोखे की जांच चल रही है। लाठी से सिर फोड़ने की धमकी दे रहे हैं। मोदी गरीब है, सिर ऊंचा करके चलता है।धमकी से डरने वाला नहीं है मोदी, जिन्होंने गरीबों को लूटा उन्हें सजा मिलनी चाहिए।मोदी की गारंटी है कि भ्रष्टाचारी जेल जाएंगे। जब देश में कांग्रेस सरकार थी, तब देशभर में सवा सौ से भी कम एकलव्य विद्यालय थे, आज केवल छत्तीसगढ़ में 70 से भी ज्यादा एकलव्य विद्यालय हैं।

राममंदिर को लेकर भी कांग्रेस को घेरा: पीएम मोदी ने कहा कि अयोध्या में 500 साल बाद सपना सच हुआ। छत्तीसगढ़ के लोगों का खुश होना स्वाभाविक है, क्योंकि यह भगवान राम का ननिहाल है। लेकिन कांग्रेस और भारतीय गठबंधन राम मंदिर के निर्माण से नाराज हैं।कांग्रेस के शाही परिवार ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। जिन कांग्रेस नेताओं ने इस फैसले को गलत बताया, उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया। इससे पता चलता है कि कांग्रेस तुष्टिकरण के लिए किसी भी सीमा को पार कर सकती है।

भारत को आंख दिखाने वालों की खैर नहीं: मोदी की गारंटी का एक बड़ा परिणाम ये रहा है कि पहले जो भारत को आंखें दिखाते थे, आज वो आटे के लिए भटक रहे हैं। साल का महासंकट कोरोना आया तो लोगों को लगा कि भारत कैसे बचेगा, गरीबों का क्या होगा? कांग्रेस के बड़े लोगों के समय में टीका आने में लंबा समय लगता था लेकिन मोदी ने मुफ्त वैक्सीन, मुफ्त राशन देने का काम किया।

देश की माताएं बहनें मेरा रक्षा कवच: हमारी सरकार गरीबों के लिए एक-एक योजना बनाकर काम किया। परिणाम 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले। भाजपा ने गरीबों के लिए क्या किया? इसका उदाहरण बस्तर है। बस्तर से ही आयुष्मान योजना की शुरूआत की थी। देशभर में सस्ता इलाज, सस्ती जांच का केंद्र बना। बस्तर संभाग से ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर निर्माण की शुरूआत हुई मां बीमार हो जाए पता चलने नहीं देती, मां सहती है धीरे-धीरे ठीक हो जाएगी। बच्चों को पता चलेगा तो अस्पताल ले जायेंगे खर्च होगा, कर्ज बढ़ जाएंगे। तब हम बेटे ने सोचा, तुम्हारा बेटा वहां बैठा है तो इलाज की व्यवस्था यह बेटा करेगा। आज देश की माताएं और बहनें मेरा रक्षा कवच बन चुकी हैं।

सशस्त्र बलों के लिए साझा कार्य संस्कृति विकसित करने की जरूरत: चौहान

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सोमवार को कहा कि सशस्त्र बलों के लिए साझा कार्य संस्कृति विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने देश की युद्ध क्षमता को बढ़ाने वाले ढांचे को बनाने और प्रत्येक सेना की क्षमताओं को एकीकृत करने पर जोर दिया। जनरल चौहान त्रि-सेवा सम्मेलन 'परिवर्तन चिंतन' को संबोधित कर रहे थे। इस सम्मेलन में तीनों सेनाओं के बीच संयोजन और एकीकरण के लिए नए विचारों, पहलों और सुधारों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि सीडीएस चौहान ने पारंपरिक सैन्य अवधारणाओं को एक नया दृष्टिकोण देने के लिए प्रत्येक सेवा का सर्वोत्तम प्रदर्शन पर जोर दिया, ताकि भारतीय बलों को भविष्य के लिए तैयार किया जा सके। इस सम्मेलन में खासतौर पर थिएटर कमान के क्रियान्वयन के लिए सरकार की उस महत्वकांक्षी पहल पर चर्चा की गई, जिसकी कल्पना बड़े रक्षा सुधारों के हिस्से के रूप में की गई थी। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने सशस्त्र बलों के लिए एक साझा कार्य संस्कृति विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने प्रत्येक सेवा की विशिष्टता का सम्मान करते हुए पारंपरिक अवधारणाओं को एक नया दृष्टिकोण देने के लिए सर्वोत्तम प्रदर्शन की बात पर प्रकाश डाला। बयान में कहा, उन्होंने ऐसे ढांचों को बनाकर प्रत्येक सेवा की क्षमताओं को एकीकृत करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

किराये के मकान में रह रहे युवक ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

किशनगंज। कालू चौक हवाई अड्डा रोड में किराये के मकान में रह रहे एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक युवक संजय पासवान पिता अमरदेव पासवान सपहुआ थाना गौरी चौक जिला पटना निवासी ने अपने कमरे में फांसी के फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली है। घटना की सूचना मकान मालिक ओम प्रकाश ने टाउन थाना पुलिस को दी। घटनास्थल पर सीडीपीओ गौतम कुमार, टाउन थाना अध्यक्ष संदीप कुमार पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गये। एसडीपीओ गौतम कुमार ने बताया कि युवक पटना निवासी संजय पासवान है।

अपडेट न्यूज

भागलपुर में सड़क किनारे प्लास्टिक में लिपटा बम बरामद

भागलपुर। जिले में सड़क किनारे प्लास्टिक में लिपटा बम बरामद हुआ है। पुलिस सीसीटीवी से सुराग तलाश रही है। पुलिस का कहना है कि जिले के बबरगंज थाना क्षेत्र के हुसैनाबाद इलाके में देर रात बम की बरामदगी हुई है। सड़क किनारे पॉलीथीन में लिपटा बम मिला है। इधर, सड़क किनारे बम बरामदगी के बाद इलाके के लोगों में दहशत है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार देर रात पुलिस को बम मिलने की सूचना दी गई। सड़क किनारे बम मिलने की सूचना मिलने पर बबरगंज थानेदार रविशंकर सहित अन्य पदाधिकारी वहां पहुंचे। सड़क किनारे पन्नी में लपेटा हुआ बम मिला। पुलिस तुरंत इसकी सूचना वरीय अधिकारी को दी गई। उसके बाद बम निरोधक दस्ते को भी बुलाया गया। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि असामाजिक तत्वों ने दहशत फैलाने के लिए वहां पर बम रखा है। आस-पास कई लोगों से पूछताछ की गई पर बम रखने वाले की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। चुनाव का समय होने की वजह से पुलिस सतर्क है। हालांकि अभी तक इस बात की जानकारी नहीं लग लगी है कि बम रखने वाले आरोपी कौन हैं। और कहां से ये बम कहां से लाया गया है। पुलिस सीसीटीवी के जरिए संदिग्धों की तलाश में जुटी हुई है। लोगों के मुताबिक ये शरारती तत्वों का भी काम हो सकता है। बहरहाल, इलाके में पुलिस गश्ती बढ़ा दी गयी है।

रेल पुलिस की मनमानी, बैंककर्मी के साथ की मारपीट, पैसे भी छीन लिए

समस्तीपुर। रेल पुलिस की मनमानी और गुंडागर्दी का एक मामला सामने आया है, जहां छपरा से समस्तीपुर आ रहे एक बैंक कर्मी से एस्कॉर्ट कर रहे रेल पुलिस ने पहले तो बैंककर्मी से मारपीट की फिर उससे पैसा भी लूट लिया। पीड़ित ने अपना नाम अभिषेक बताया है। मारपीट में जख्मी बैंक कर्मी ने बताया कि छपरा से समस्तीपुर की यात्रा के लिए उसने अमृतसर से जयनगर जाने वाली सरयू यमुना एक्सप्रेस एसी बोगी में रिजर्वेशन करा रखा था। यात्रा के दौरान जब ट्रेन हाजीपुर स्टेशन पर रुकी तो दारोगा सहित रेल पुलिस बोगी में आई और बैंक कर्मी से टिकट दिखाने को कहा। इसपर बैंक कर्मी ने सवाल उठाते हुए कहा कि टिकट देखने का अधिकार आपको नहीं बल्कि टीटी को है। इस बात पर रेल वाले दारोगा जी भड़क गए और दारोगा सहित पुलिसकर्मियों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान पुलिस ने जेब में रखे 60000 रुपया भी बैंककर्मी से छीन लिया। इसके बाद पुलिस कर्मी मुजफ्फरपुर में उतर गए। इस बीच पीड़ित ने बताया कि उसने ट्रेन से ही टोल फ्री नंबर पर शिकायत भी दर्ज कराई लेकिन उसे कोई सहायता मुहाईया नहीं हो पायी। उक्त घटना के बाद जख्मी बैंक कर्मी ने समस्तीपुर स्टेशन पर उतरकर रेल थाना मे शिकायत की। जहां पहले तो रेलवे अस्पताल की मेडिकल टीम ने उसका उपचार किया, फिर उससे उक्त पूरे वारदात की जानकारी ली। फिलहाल रेल पुलिस इस मामले में जांच करने की बात कह रही है।

भागलपुर सदर अस्पताल पर्किंग में लगी आग दो एंबुलेंस में लगी आग, जलकर हुईं राख

भागलपुर। जिले में पहले एक सिकंदरपुर स्थित एक टेंट दुकान में भीषण आग लग गई थी। वहीं भागलपुर सदर अस्पताल के पार्किंग में खड़ी दो एंबुलेंस में आग लगने से जलकर राख हो गई। एम्बुलेंस में आग लगने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। फायर कर्मचारियों के मुताबिक आग लगने का कारण पता नहीं चल पाया। उन्हें सूचना मिली थी कि सदर अस्पताल के पास पार्किंग में खड़ी एम्बुलेंस में आग लग गई है। अगलगी की सूचना पर अग्निशमन विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और 1 घंटे तक पानी डालने के बाद आग पर काबू पाया जा सका। गसदर अस्पताल के पास से गुजर रहे ट्रैफिक डीएसपी आशीष कुमार ने भी खुद मोर्चा संभाला और आग बुझाने में जुट गए।आग लगने का क्या कारण था। यह पता नहीं चल सका है। बता दें अस्पताल परिसर में कई खराब एम्बुलेंस पड़े हैं। कुछ एंबुलेंस ऐसे है जो ठीक हो सकता है। उसको फिर से उपयोग में लाया जा सकता है।

जीतन राम मांझी को मिला ब्रह्मऋषि और विश्वकर्मा समाज का समर्थन

गया। गया लोकसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज है। ऐसे में एनडीए और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जनता को साधने की कोशिश कर रहे हैं। धीरे-धीरे विभिन्न संगठन भी अपने चहेते प्रत्याशियों के करीब आ रहे हैं। इसी क्रम में ब्रह्मऋषि समाज और विश्वकर्मा समाज ने एनडीए प्रत्याशी जीतन राम मांझी के पक्ष में बैठक की और उन्हें समर्थन देने का निर्णय लिया है। बैठक में हम सुप्रीमो संतोष कुमार सुमन, विधायक अनिल कुमार जदयू नेता राजू बरनवाल, शारिम अली शामिल हुए। ब्रह्म ऋषि समाज से जुड़े हरि प्रपन्ना उर्फ पप्पू जी ने कहा है कि, बुद्धिजीवी और ब्रह्म ऋषि समाज के लोगों के साथ बैठक हुई। बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर मंथन किया गया। बैठक कर यह निर्णय लिया गया कि एनडीए प्रत्याशी जीतन राम मांझी को हमलोग समर्थन करेंगे। जीतन राम मांझी के कुछ बयान को लेकर भ्रांतियां थी, जिसे दूर कर लिया गया है। गयाजी विश्वकर्मा महासभा की ओर से एनडीए प्रत्याशी जीतन राम मांझी का सम्मान-समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया और उन्हें समर्थन देने का निर्णय लिया गया। सम्मान समारोह कार्यक्रम में मंत्री डॉ प्रेम कुमार, पूर्व एमएलसी संजीव श्याम, टिकारी विधायक डॉ अनिल कुमार, राम लखन स्वर्णकार, सिद्धार्थ विश्वकर्मा शामिल हुए।

मुजफ्फरपुर में पेड़ से लटकी मिली छात्र की लाश, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मुजफ्फरपुर, अमृतवर्षा सं.

जिले में एक छात्र का लीची के पेड़ से लटका हुआ शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान मो आतिफ उर्फ नेहाल के रूप में की गई है। घटना सकरा प्रखंड के बरियारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरीहार खालिक नगर डीह के वार्ड संख्या 4 की है। घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि नेहाल की हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मो आतिफ उर्फ नेहाल के पिता एक शिक्षक हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के संबंध में मृतक मो आतिफ उर्फ नेहाल के पिता खुर्शीद आलम का कहना है कि आज सुबह 11 बजे तक नेहाल ठीक था और वह मुझसे बात भी किया था। फिर 12 बजे गांव के लोगों ने बताया कि आपके बेटे का शव पास के बगीचे के एक पेड़ से लटका हुआ मिला है। यह बात सुनकर हम सभी लोग घटनास्थल पर पहुंचे तो देखे कि मेरे बेटे का शव पेड़ पर लटका हुआ है। उन्होंने कहा कि नेहाल बाहर में रहकर पढ़ाई करता था। वह ईद पर्व पर घर आया था। हमे आशंका है कि मेरे बेटे की हत्या करके उसके शव को किसी ने पेड़ पर टांग दिया है। घटना के संबध में बरियारपुर थाना अध्यक्ष चांदनी कुमारी सांवरिया ने बताया कि एक युवक का शव पेड़ पर मिलने के बाद मामले की जांच के लिए पुलिस पहुंची। पेड़ से शव को उतारा गया और पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि परिजन इसे हत्या की बात बता रहे हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि यह हत्या क्यों की गई है फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों बिन्दुओं पर जांच कर रही है।

3 लाख का इनामी नागमणि दिल्ली से गिरफ्तार

बेगूसराय। जिले का तीन लाख रुपये का इनामी कुख्यात नागमणि महतो उर्फ नागो आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ ही गया। वह चेरियाबरियारपुर थाना के कुंभी गांव निवासी स्व. जयप्रकाश महतो का पुत्र है। मंझौल एसडीपीओ नवीन कुमार के नेतृत्व में एसटीएफ व चेरियाबरियारपुर थाने की पुलिस की संयुक्त छापेमारी में दिल्ली के हरिनगर से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। यह जानकारी एसपी मनीष कुमार ने सोमवार को दी। वह अपने कार्यालय कक्ष में प्रेसवार्ता कर पुलिस की सफलता के बारे में जानकारी दे रहे थे। पुलिस गिरफ्त में आए कुख्यात ने कई सनसनी राज भी पुलिस के समक्ष खोला है। एसपी ने दावा किया है कि नागो की गिरफ्तारी से मंझौल अनुमंडल क्षेत्र में अपराध में कमी आएगी। एसपी ने बताया कि नागमणि ने हथियार के बल पर रंगदारी, हत्या, अपहरण, आर्म्स एक्ट समेत 26 घटनाओं को अंजाम दिया है। इसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को लगाया गया था। उसके गैंग के कई सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। हथियार का जखीरा भी बरामद किया जा चुका है। इसकी गिरफ्तारी के बाद चेरियाबरियापुर समेत आसपास के इलाके में शांति आएगी। एसपी ने बताया कि उसके खिलाफ चेरियाबरियापुर थाने में 14, खोदावंदपुर में नौ, नगर थाना में एक, नावकोठी थाना में एक व औरंगाबाद के दाउदनगर थाना में एक मामला पहले से दर्ज है। एसपी ने बताया कि छापेमारी टीम में शामिल पुलिस अधिकारी व कर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

8वीं की छात्रा से शिक्षक ने की छेड़खानी, टीचर को बनाया बंधक

कटिहार, अमृतवर्षा सं.। मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित मध्य विद्यालय तियरपाड़ा छींटाबाड़ी में सोमवार को शिक्षक ने आठवीं कक्षा की एक छात्रा के साथ छेड़खानी की और इसके बाद ग्रामीणों ने बवाल किया। पुलिस ने आरोपित शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। जानकारी के अनुसार शिक्षक प्रवीण कुमार यादव ने स्कूल में आठवीं कक्षा की एक छात्रा से छेड़खानी की। छात्रा ने घर जाकर परिवार के लोगों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद स्थानीय लोगों के साथ अभिभावक भी स्कूल पहुंच गए। इन्होंने विद्यालय में जमकर हंगामा किया। लोगों ने शिक्षक की गिरफ्तारी की मांग करते हुए उसे बंधक बना लिया। सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ अभिजित कुमार सिंह, नगर थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह व मुफस्सिल थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आरोपित शिक्षक को हिरासत में ले लिया। बजरंग दल के पूर्व विभाग संयोजक पवन पोद्दार सहित स्थानीय लोगों द्वारा आक्रोशित भीड़ को समझा-बुझाकर शांत किया गया। ग्रामीणों व अभिभावकों ने बताया कि स्कूल में शिक्षक द्वारा छात्रा के साथ छेड़खानी की गई थी। पीड़ित छात्रा ने अपने स्वजन को इसकी जानकारी दी। आरोपित शिक्षक ने पहले भी छेड़खानी की कोशिश की थी। विरोध करने पर छात्रा को परीक्षा को कम अंक दिए गए थे। लोग आरोपित शिक्षक को बर्खास्त करने की मांग भी कर रहे थे। कटिहार जिला शिक्षा पदाधिकारी अमित कुमार ने कहा कि स्कूल में छात्रा के साथ शिक्षक द्वारा छेड़खानी की जानकारी मिली है। डीपीओ को जांच के लिए भेजा गया है। शिक्षक पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। कटिहार के एसडीपीओ अभिजित कुमार सिंहसदर ने कहा कि मध्य विद्यालय छींटाबाड़ी में शिक्षक पर छात्रा ने छेड़खानी का आरोप लगाया है।

कैमूर में युवक ने मजदूरी मांगी तो चढ़ा दिया ट्रैक्टर, दबकर हुई मौत

कैमूर, अमृतवर्षा सं.। जिले के रामगढ़ में ट्रैक्टर की चपेट में आने से 20 वर्षीय युवक की मौत हो गयी। मृतक के परिजनों का आरोप है कि उसकी हत्या की गयी है। वह ट्रैक्टर मालिक से मजदूरी मांगने गया था, जहां उसकी पिटाई की गयी और फिर उसके ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा दिया गया। मृतक की पहचान दरवान गांव निवासी शंभू राम के 20 वर्षीय पुत्र आकाश कुमार के रूप में की गयी है। रेफरल अस्पताल रामगढ़ पहुंच कर पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आकाश कुमार गांव के एक ग्रामीण के यहां ट्रैक्टर चलाता था, रविवार को वह अपने मजदूरी के रुपये मांगने के लिए गया हुआ था, जहां ट्रैक्टर की चपेट में आ जाने से मौत हो गयी। इस मामले में आरोपी ट्रैक्टर का मालिक फरार है। इस घटना के संबंध में भभुआ सदर अस्पताल पहुंचे मृतक के पिता शंभू राम ने कहा कि उनका बेटा गांव के एक ग्रामीण के यहां मजदूरी पर ट्रैक्टर चलाया करता था, कुछ महीनों के रुपये उनके यहां बाकी थे, रविवार को वह रुपये लेने के लिए गया था। जहां आरोपितों द्वारा उसके बेटे के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाकर जान ले ली गयी। पीड़ित ने एसपी से इस मामले में निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की जाने की बात कही गयी। थानाध्यक्ष उमेश कुमार ने बताया कि परिजनों ने रामगढ़ रेफरल अस्पताल में फोन कर दुर्घटना में घायल युवक की मौत की सूचना दी थी। परिजनों की ओर से किसी के खिलाफ कोई आवेदन नहीं दिया गया है, आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस मामले में मोहनिया डीएसपी दिलीप कुमार ने कहा कि मामले जानकारी मिलते ही मैं पोस्टमार्टम हाउस पहुंचा और घटना की जानकारी ली। मामले में जो भी दोषी होंगे उन पर कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, पीड़ित द्वारा बतायी गयी बात, आने वाले समय में थाने में दिये जाने वाले आवेदन व पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह तक हो पायेगा कि पूरा मामला क्या है।

बेगूसराय में सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

बेगूसराय। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। लाखो थाना क्षेत्र के खातोपुर चौक के पास हुआ। वहीं, इस हादसे से गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर जमकर हंगामा किया। इस बात की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराने में जुट गई। लेकिन आक्रोशित लोगों ने गुस्से में पुलिस की वाहन पर भी हमला कर दिया। लोगों ने तोड़फोड़ और रोड़ेबाजी करते हुए पुलिस वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। बताया जा रहा कि महिला को अज्ञात वाहन कुचलते हुए फरार हो गया, जिसके बाद महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस मौत से गुस्साए भीड़ ने जमकर हंगामा किया और एन एच - 31 को जाम कर दिया। गाड़ियों के साथ भी तोड़फोड़ की। वहीं, घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जाम को छुड़वाने की कोशिश करने लगीं।

चाकू से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

बेगूसराय, अमृतवर्षा सं.

जिले में चाकू से घायल हुए युवक की निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इससे नाराज परिजनों ने घंटों तक जमकर हंगामा किया। इस दौरान परिजनों और अस्पतालकर्मियों के बीच मारपीट भी हुई। यह पूरा मामला नगर थाना क्षेत्र के एक निजी अस्पताल का है। मृतक व्यक्ति की पहचान नीमा चांदपूरा थाना क्षेत्र के नीमा चांदपुरा गांव निवासी महेश महतो के रूप में की गई है। इस घटना को लेकर मृतक के परिजनों ने बताया कि 25 मार्च को गांव के ही दबंग सुभाष महतो और उसके पूरे परिवार द्वारा घर में घुसकर सभी लोगों के साथ लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से मारपीट की थी। उससे भी मन नहीं भरा तो उन लोगों द्वारा तलवार से हमला कर सभी लोगों को घायल कर दिया था। इस हमले में महेश महतो गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि निजी अस्पताल द्वारा महेश का सही ढंग से इलाज नहीं किया गया और लगातार पैसे की मांग की जा रही थी। उन्होंने बताया कि पैसा लेने के बावजूद भी सही ढंग से इलाज नहीं किया। फिर बाद में पता चला कि मरीज की मौत हो गई है। लेकिन इसके बावजूद भी निजी अस्पताल द्वारा जबरन पैसा लिया जा रहा था। उन्होंने बताया कि जब लोगों द्वारा निजी अस्पताल के खिलाफ जब हंगामा करना शुरू किया गया तो मरीज को जिंदा बताकर फिर पैसा लिया गया। काफी दबाव और हंगामा होने के बाद निजी अस्पताल द्वारा उसे जिंदा बताने के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिर आनन-फानन में उसे निजी अस्पताल से सदर अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने घायल व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि अस्पताल द्वारा पांच से सात लाख रुपये लिए गए। लेकिन इसके बावजूद भी सही ढंग से इलाज नहीं किया गया, जिसके कारण घायल महेश महतो की मौत हो गई। वहीं, अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि मरीज बड़ा सीरियस था और उसके ब्रेन का ऑपरेशन किया गया था। ऑपरेशन के बाद उसे आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां मरीज नॉर्मल था। अचानक मरीज की तबीयत बिगड़ गई थी। उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल का खर्च दो लाख 88 हजार रुपये आया था। उसमें से इन लोगों द्वारा एक लाख रुपये जमा किए गए। उसके बाद उन लोगों ने हॉस्पिटल का अमाउंट नहीं देने की वजह जिंदा पेशेंट को मृत बताकर हंगामा करना शुरू कर दिया।

जमुई में एसएसबी ने हार्डकोर नक्सली ओमकार को दबोचा

जमुई, अमृतवर्षा सं.। जिले में साल 2014 में पुलिस पर हमला करने के मामले में संलिप्त हार्डकोर नक्सली को एसएसबी ने चरका पत्थर के बरमोरिया जंगल से गिरफ्तार किया है। जिससे पुलिस सख्ती से पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार नक्सली की पहचान चरखा थाना क्षेत्र के बरमोरिया निवासी ओमकार उर्फ कैला यादव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, बीते रात एसएसबी 16 वाहिनी चरकापत्थर के सहायक कमांडेंट आशीष वैष्णव को गुप्त सूचना मिली थी कि हार्डकोर नक्सली कमांडर ओमकार उर्फ कैला यादव किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में बरमोरिया के जंगल में छुपा हुआ है। वहीं, सूचना के बाद सहायक कमांडेंट आशीष वैष्णव और चरकापत्थर थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार के नेतृत्व में सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। इस अभियान में काफी दिनों से फरार चल रहे हार्डकोर

नक्सली ओमकार उर्फ कैला यादव को गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा कि उक्त हार्डकोर नक्सली की गिरफ्तारी खैरा थाना कांड संख्या 24/14 में हुई है। विदित हो कि वर्ष 2014 में पुलिस बल पर नक्सलियों द्वारा फायरिंग की गई थी। जिसमें हार्डकोर नक्सली ओमकार उर्फ कैला यादव की संलिप्तता पाई गई थी। जानकारी के अनुसार हार्डकोर नक्सली ओमकार उर्फ कैला यादव मारे जा चुके नक्सल कमांडर चिराग और सिद्धू कोड़ा के साथ काम कर चुका है। बता दें कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस काफी मुस्तैदी से काम कर रही है।

पॉलिटेक्निक के दो छात्र सरयू नदी में डूबे

सीवान। जिले में पॉलिटेक्निक के दो छात्र सरयू नदी में डूब गये। उनमें से एक की लाश बरामद हो गई, जबकि दूसरे की खोजबीन अभी भी जारी है। घटना सिसवन थाना क्षेत्र की है। बरामद छात्र की पहचान गोरिया कोठी निवासी सुजीत कुमार के रूप में की गई है। वहीं लापता छात्रा की पहचान जहानाबाद निवासी रोशन कुमार के रूप में हुई है। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि पॉलिटेक्निक कॉलेज के कुल सात छात्र बाजार जाने की बात कहकर कॉलेज से निकले थे और पास के ही सरयू नदी में नहाने चले गए। नहाने के दौरान अचानक बीच भंवर में दोनों छात्र फंस गए, जिसमें दोनों डूब गये। स्थानीय लोगों ने उन दोनों को डूबते देखा तो शोर मचाने लगे।

मोतीपुर में केस उठाने से मना किया तो दंपती को पीटा

मुजफ्फरपुर। बरुराज थाना क्षेत्र के मनोहर छपरा गांव में कोर्ट से केस नहीं उठाने पर एक पक्ष के लोगों ने आशा दंपती की पिटाई कर दी। गंभीर रूप से जख्मी हालत में दोनों को स्थानीय लोगों ने सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद आशा को एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया। मामले को लेकर महानंद कुमार की पत्नी अंकिता भारती ने पड़ोस के ही तीन लोगों के खिलाफ थाना में शिकायत की है। आरोप लगाया है कि वे पति के साथ दरवाजे पर थी। इसी दौरान आरोपितों ने कोर्ट में चल कर केस उठाने का दबाव बनाने लगा। इंकार करने पर गाली-गलौज की गयी। विरोध करने पर मारपीट की गई।

साहेबगंज में घर से बुला कर युवक को सीने में मारी गोली, रेफर

मुजफ्फरपुर, अमृतवर्षा सं.। गंडक दियारा इलाके के माधोपुर हजारी इमली ढाला के समीप मोबाइल के विवाद में बदमाश ने दिनदहाड़े घर से बुला कर युवक के सीने में गोली मार दी। उसके बाद बाइक से पूर्वी चंपारण की ओर भाग गया। जख्मी युवक की पहचान बुढ़ाई सहनी के पुत्र श्रीराम कुमार सहनी (19) के रूप में की गयी है। आनन-फानन में परिजनों ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद एसकेएमसीएच भेज दिया। वहां से गंभीर हालत में मुजफ्फरपुर स्थित एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंचे एसडीपीओ सरैया कुमार चंदन ने घटनास्थल का मुआयना कर परिजनों से पूछताछ की है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही बदमाश को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जख्मी युवक का चचेरा भाई शत्रुघ्न सहनी ने बताया कि श्रीराम घर से खाना खाकर बथान पर लौट रहा था। गांव के एक युवक उसे फोन कर बुलाया। उसके बाद उसे गोली मार दी। पिता बुढ़ाई सहनी ने बताया कि श्रीराम का मोबाइल भी गायब है। ग्रामीणों ने बताया कि डेढ़ साल पहले दियारा से तरबूज लोड कर ले जा रहे श्रीराम के रिश्तेदार ट्रक चालक के साथ मारपीट हुई थी। मामले में गांव में पंचायत हुई थी, जिसमें गांव के एक युवक को दंडित किया गया था। उसी प्रतिशोध में घटना को अंजाम दिया गया है। इधर, थानाध्यक्ष सिकंदर कुमार ने बताया कि श्रीराम कुमार सहनी और गांव के एक युवक झोपड़ी में बैठे थे। इसी दौरान उसे गोली मारी गयी है।

कांग्रेस के दबाव के बावजूद पप्पू यादव ने नहीं लिया नामांकन वापस, चुनाव आयोग ने दिया 'कैंची' छाप

पूर्णिया, अमृतवर्षा सं.। सूबे में पूर्णिया लोकसभा सीट की लड़ाई सबसे रोचक हो गई है। पप्पू यादव भी यहां से ताल ठोंक रहे है। निर्दलीय चुनाव लड़ रहे पप्पू यादव को सिंबल अलॉट कर दिया गया है। पप्पू यादव को निर्वाचन आयोग की तरफ से कैंची सिंबल दिया गया है। सिंबल मिलने के बाद पप्पू यादव ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तीन पोस्ट किया है। अपने पहले पोस्ट में पप्पू यादव ने लिखा "पूर्णिया के सम्मान में पप्पू मैदान में, अहंकार टूटेगा पूर्णिया जीतेगा"। वहीं दूसरी पोस्ट में लिखा, "पूर्णिया के जनता की आवाज, नंबर 6 कैंची छाप"। तीसरे पोस्ट में लिखा, "तारीख 26 नंबर 6, पूर्णिया की होगी जय, चलेगी कैंची नफरत को काटेंगे, मोहब्बत जीतेगा, दूर करेंगे पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र के विकास की बाधा।" बता दें कि 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में पूर्णिया में चुनाव होगा। इस बाबत आज पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र के लिए नामांकन वापसी का आखिरी दिन था। पप्पू यादव पर नामांकन वापस लेने के लिए कांग्रेस की तरफ से काफी दबाव डाला

गया, लेकिन उन्होंने अपना नामांकन वापस नहीं लिया। मतलब साफ है कि पूर्णिया में त्रिकोणीय मुकाबला होगा। एक तरफ जहां एनडीए के संतोष कुशवाहा हैं तो वहीं फखऊ से बीमा भारती मैदान में हैं। इन सबको टक्कर देने के लिए पप्पू यादव भी जी-तोड़ मनेहनत कर रहे हैं। दरअसल, पप्पू यादव पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहते थे। इसको लेकर पिछले 2 वर्ष से वह लगातार पूर्णिया में कैंप किए हुए थे। उन्होंने प्रणाम पूर्णिया यात्रा भी निकली। चुनाव लड़ने को लेकर ही उन्होंने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद से मुलाकात की और उसके बाद अगले दिन दिल्ली में अपनी पार्टी (जाप) का कांग्रेस में विलय किया। लेकिन अचानक आरजेडी ने जेडीयू विधायक बीमा भारती को पूर्णिया से अपना प्रत्याशी बनाया।

नवादा में बागी बिगाड़ेंगे खेल?

गुंजन ने विवेक तो विनोद ने श्रवण कुशवाहा की उड़ाई नींद

नवादा, अमृतवर्षा सं.

नवादा में लोकसभा चुनाव का मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया है। यहां दो बागियों ने एनडीए और महागठबंधन दोनों का खेल बिगाड़ने की तैयारी कर ली है। एक तरफ बीजेपी से टिकट न मिलने पर भोजपुरी स्टार गुंजन सिंह निर्दलीय ताल ठोक रहे हैं। वहीं, आरजेडी के बागी विनोद यादव ने पार्टी के प्रत्याशी श्रवण कुशवाहा की नींद उड़ा दी है। विनोद यादव ने निर्दलीय पर्चा भरा है, अब उनके लिए आरजेडी के ही दो विधायक वोट भी मांग रहे हैं। लालू और तेजस्वी यादव की पार्टी ने नीतीश कुमार के वोटबैंक में सेंधमारी करने के लिए इस बार नवादा लोकसभा सीट से कोइरी समाज के श्रवण कुशवाहा को टिकट दिया है। नवादा में चुनाव प्रचार के दौरान एक समारोह में शहर की विधायक विभा देवी और रजौली

विधायक प्रकाश वीर को निर्दलीय लोकसभा प्रत्याशी विनोद यादव के साथ मंच साझा करते देखा गया। विभा देवी और प्रकाश वीर दोनों आरजेडी से विधायक हैं। इन दोनों ने अपनी पार्टी के प्रत्याशी के खिलाफ मैदान में उतरे विनोद यादव के लिए लोकसभा चुनाव में वोट मांगे। नवादा लोकसभा क्षेत्र के अंदर तीन विधानसभा सीटें आती हैं, इनमें से तीन पर आरजेडी का कब्जा है तो एक-एक पर बीजेपी, कांग्रेस एवं जेडीयू के विधायक हैं। यानी कि इस लोकसभा सीट में आरजेडी के कुल तीन विधायक हैं उनमें से दो अपनी पार्टी के प्रत्याशी श्रवण कुशवाहा के बजाय बागी विनोद यादव के लिए वोट मांग रहे हैं। ऐसे में उन्होंने आरजेडी नेतृत्व की टेंशन बढ़ा दी है।

आरजेडी को बड़ा झटका, पूर्व विधायक जेडीयू में शामिल: वहीं, आरजेडी की ओर से चुनाव प्रचार की कमान संभाल रहे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नवादा में बगावत का असर कम करने के लिए अपने करीबी शक्ति यादव को क्षेत्र में भेजकर कैंप करने के लिए कहा है। हालांकि, इसका चुनाव में क्या असर होगा यह तो रिजल्ट के दिन 4 जून को ही पता चलेगा। आरजेडी के बागी विनोद यादव के लिए नवादा में कैंप कर रहीं पहली विधायक विभा देवी उनकी जेठानी और बड़े भाई राजवल्लभ यादव की पत्नी हैं। राज वल्लभ फिलहाल एक नाबालिग लड़की से रेप के आरोप में जेल में हैं। दरअसल, विनोद इस सीट से टिकट की मांग कर रहे थे। मगर लालू यादव ने इस बार यादव की बजाय कोइरी कैंडिडेट श्रवण कुशवाहा को मैदान में उतार दिया। इसके बाद विनोद यादव बागी हो गए और निर्दलीय चुनाव में ताल ठोक दी। नवादा के एक वरिष्ठ आरजेडी नेता ने संवाददाता को बताया कि क्षेत्र में पार्टी के अधिकांश कार्यकर्ता श्रवण कुशवाहा की उम्मीदवारी के विरोध में हैं। उन्होंने लालू और तेजस्वी यादव से इस पर पुनर्विचार करने के लिए भी कहा। इससे पहले 24 मार्च को विनोद यादव के नामांकन के दौरान भी आरजेडी के दोनों विधायक के अलावा एमएलसी अशोक यादव और जिला परिषद की अध्यक्ष पुष्पा देवी खुलकर उनके समर्थन में आए थे। दूसरी ओर, नवादा लोकसभा सीट पर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे भोजपुरी कलाकार गुंजन सिंह ने बीजेपी प्रत्याशी विवेक ठाकुर की नींद उड़ा रखी है। उनकी नामांकन रैली में चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप भी पहुंचे थे।

पटना सिटी में सड़क हादसे में शख्स की मौत

पटना। पटना सिटी के बाईपास थाना क्षेत्र के पैजाबा एनएच-30 पर सोमवार की शाम एक हाइवा ने साइकिल सवार प्रमोद कुमार (60) को कुचल दिया। हादसे में शख्स की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना के बाद हाइवा ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बाईपास थाने को दी। सूचना मिलने के बाद बाईपास थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

अपडेट न्यूज

मसौढ़ी में दो दुकानों से चोर ने उड़ाई लाखों की संपत्ति

पटना। राजधानी के मसौढ़ी थाना क्षेत्र के छाता मोड़ के समीप दो दुकानों में चोरी की घटना को अंजाम देकर चोर ने पुलिस को सकते में डाल दिया है। इस बाबत दुकानदार मसौढ़ी थाना क्षेत्र के तुलसीचक गांव निवासी रामेश्वर उर्फ नरेश सिंह के पुत्र वृंद कुमार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज करवाई है। जिसमें उन्होंने बताया कि मैं अपना दुकान मां श्रृंगार स्टोर रोजाना की तरह शाम को बंद करके अपने घर चले जाते थे,देर रात को भी अपना दुकान बंद करके घर चला गया था, सुबह जब दुकान खोलने के लिए आया तो देखा कि दुकान का ताला टूटा हुआ था और दुकान से साड़ी जींस टीशर्ट पैंट फ्रॉक जिसकी कीमत लगभग डेढ़ लाख बताई जाती हैं। इसके साथ ही साथ 25 हजार गल्ला में रखें रुपए भी चुरा लिए हैं। वही बगल में मोटर साइकिल दुकान से ताला तोड़कर रिंच और अन्य सामान ले भागा। पीड़ित व्यक्ति के दिए गए आवेदन पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

डाकबंगला सोना लूट मामले में आरोपी ने कोर्ट में किया सरेंडर

पटना। राजधानी पटना के डाकबंगला चौराहा के पास तीन करोड़ सोना लूट मामले में आज एक आरोपी ने सिवल कोर्ट में सरेंडर कर दिया। इधर पुलिस को इसमे भनक तक न लगी और उधर लूटकाण्ड में संलिप्त आरोपी ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। इस मामले में प्रतीक उर्फ बंटी नाम के आरोपी ने पटना सिविल कोर्ट में सरेंडर किया है। गौरतलब है कि बीते 7 मार्च को कोतवाली थाना क्षेत्र में हुए सोना व्यापारी से 3 करोड़ के सोना लूट मामले में लूटे गए सोने में से एक ग्राम सोना भी कोतवाली थाने की पुलिस बरामद नहीं कर सकी है। हालांकि इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। लूटकाण्ड की उक्त घटना में का विरोध करने पर सोना व्यापारी के पुत्र को अपराधियों ने गोली मार कर घायल भी कर दिया था।

रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ के अध्यक्ष बने अरुण कुमार ठाकुर

पटना। बिहार रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ के केंद्रीय समिति के नव निर्वाचित संघ प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह भारती मंडपम हॉल में सोमवार को किया गया। शपथ ग्रहण में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे बिहार विधान सभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने इसका उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि गृह रक्षक विधि-व्यवस्था का संधारण बहुत ही बेहतर ढंग से करते हैं। प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार ने अतिथियों का स्वागत व सम्मान किया। अध्यक्ष के रूप में अरुण कुमार ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष देशबंधु आजाद, वरीय उपाध्यक्ष कन्हैया राय, उपाध्यक्ष सुरेंद्र यादव, महासचिव सुदेश्वर प्रसाद व सचिव पद के लिए हरेंद्र सिंह, सतेंद्र सिंह और रामाशंकर भारती ने शपथ ली। वहीं बटेश्वर राम, भगवान सिंह, अशोक कुमार सिंह, कुंदन कुमार ने संगठन सचिव जबकि शिवजी प्रसाद गुप्ता ने कोषाध्यक्ष और रामाश्रय प्रसाद व राधेश्यम सिंह ने कार्यालय सचिव के पद की शपथ ली।

पटना पुलिस ने अपहृत बच्चे को महज 12 घंटे में किया बरामद

पटना। राजधानी पटना में इन दिनों लूट और अपहरण के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। हालांकि इन अपराध पर रोकथाम लगाने के लिए पुलिस ने भी सख्त हो गई है। अभी रविवार को ही शास्त्री नगर थाना में एक परिवार ने बच्चे के अपहरण होने का मामला दर्ज कराया था, जिसे पुलिस ने महज 12 घंटे में बरामद कर लिया है। मिली जानकरी के अनुसार, पटना पुलिस ने अपहृत बच्चे को महज 12 घंटे के अंदर बरामद कर लिया है। पीड़िता परिवार द्वारा शास्त्री नगर थाना में अपहरण होने का शिकायत दर्ज कराया गया था। परिवार वालों ने अपहरण का आरोप मधुबनी के रहने वाले मनमोहन राम पर लगाया था। जिसके बाद पुलिस की छानबीन में बच्चे को मधुबनी जिले के बस स्टैंड से बरामद कर लिया है। दरअसल, राजधानी पटना के शास्त्री नगर थाना में रविवार को एक बच्चे का अपहरण होने का शिकायत दर्ज कराया गया था। पीड़ित सपना रानी द्वारा उनके बच्चे प्रियांशु राज 11 के अपहरण का मामला साक्षी तंवर थाने में दर्ज कराया था, जिसमें शास्त्री नगर थाने की पुलिस द्वारा दो टीम का गठन किया गया और जांच शुरू की गई। टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अनुसंधान करते हुए बच्चे को मधुबनी जिले के बस स्टैंड से महज 12 घंटे में बरामद कर लिया गया। बता दें कि, राजधानी पटना के शास्त्री नगर थाने में पीड़ित सपना रानी द्वारा उनके बच्चे का अपहरण का मामला दर्ज कराया गया था, जिसमें अपहरण का आरोप बंटी उर्फ मनमोहन राम पर लगाया गया था जो कि मधुबनी के रहिका थाने का रहने वाला है।

मसौढ़ी में तेज वोल्ट के हाइपरटेंशन तार से खेत में लगी भीषण आग, लाखों की फसल जलकर राख

पटना। राजधानी पटना से सटे मसौढ़ी में आग लगने की घटना सामने आई है। ग्रामीण इलाकों में इन दिनों आगलगी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही है। रविवार देर रात मसौढ़ी थाना क्षेत्र के भैंसवां पंचायत के जगपुरा गांव में खेत में लगी गेहूं की फसल में अचानक आग लग गई। जहां पर तकरीबन देखते ही देखते दो बिघा फसल जलकर राख हो गई है। किसान कृष्णा प्रसाद ने बताया कि उनके खेत से 11000 वोल्ट की बिजली की तार गुजरती है, उसी तार में स्पार्किंग की वजह से खेत में लगी हुई फसल पल भर में जलकर राख हो गई। किसानों को आग बुझाने का मौका भी नहीं मिल पाया है। वहीं दमकल की गाड़ियों को भी सूचना दी गई थी।

इतने अनुभवी सीएम ने भरे मंच पर ऐसा किया, शर्मिंदगी हुई; अटल-आडवाणी वाली भाजपा अलग थी, तेजस्वी बोले

नीतीश कुमार ने पीएम मोदी के पैर छुए

पटना, अमृतवर्षा ब्यूरो

गया लोकसभा सीट पर पहले फेज में 19 अप्रैल को मतदान होना है। जैसे-जैसे मतदान का समय नजदीक आ रहा है। वैसे-वैसे चुनावी सरगर्मी बढ़ने लगी है। सोमवार को राजद नेता सह जिला परिषद उपाध्यक्ष डा. शीतल प्रसाद यादव के नेतृत्व में राजद प्रत्याशी कुमार सर्वजीत के समर्थन में मोहन प्रखंड के बड़की विहीया मैदान में मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। उक्त समारोह के मुख्य अतिथि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और वीआईपी नेता मुकेश सहनी शामिल हुए। चुनावी सभा के दौरान राजद प्रत्याशी समेत महागठबंधन के सभी नेता मौजूद थे। डिप्टी तेजस्वी यादव ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह मोदी का नहीं मुद्दा का चुनाव है। बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, गरीबी, शिक्षा, चिकित्सा यही

सब मुद्दा है। अच्छे प्रत्याशी कुमार सर्वजीत को दिया है तो आप लोग जिताएं। पीएम मोदी के पैर नीतीश कुमार छू रहे हैं। अनुभवी सीएम पैर छू रहे हैं। पैर दबा रहे हैं। चार लाख से चार हजार भाजपा का सीट बता दिया था। भाजपा ने उन्हें हाईजैक कर लिया। तेजस्वी यादव ने 5 लाख लोगों को रोजगार दिया यह केंद्र की सरकार में नहीं हुआ है। भाजपा का टेंशन बढ़ा हुआ था। इसलिए हमारी सरकार गिराई। जाति आधारित गणना करवाया। हमने किसको आर्थिक सहायता चाहिए इसका आंकड़ा सामने आया। इसके लिए योजना लागू करना था तभी नीतीश हाईजैक हो गए। इस घर में नौकरी नहीं है उसको एक लाख देते, पक्का मकान के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए दे रहे थे। सर्वे से सच्चाई सामने आई है। सवर्ण और अतिपिछड़ा, अनुसूचित जाति में ज्यादा गरीबी है। मोदी में आएंगे तो पूछिएगा उसके बाद चले जाएंगे। पांच किलो राशन क्या नौकरी भी देंगे और महंगाई भी कम करेंगे। किरासन और राशन कांग्रेस के समय से मिलता आ रहा है।

पीए मोदी ने ही सीएम नीतीश के डीएनए खराब बताया था: पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी पर तंज कसते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि कहा कि भाजपा के लोग कहते हैं अच्छा प्रत्याशी नहीं मिला है। विशेष राज्य का दर्जा तक नहीं दिया मोदी ने कम से कम अच्छा प्रत्याशी दे देते। मोदी गरीब को नही देखते वह भी अमीरों पूंजीपतियों को ही देखते हैं। मोदी ने नीतीश का डीएनए खराब बताए थे। आज अच्छे हो गए। बड़ा लोग है एक पीएम है तो दूसरा सीएम है। 17 साल से डबल इंजन की सरकार है। फिर भी बिहार में गरीबी, बेरोजगारी ,पलायन है। गांव ,जिला और राज्य का विकास नहीं तो देश का विकास कैसे होगा। कहते हैं देश का चुनाव है। राजद को परिवारवादी कहते हैं। पहले चरण के सभी प्रत्याशी परिवारवादी हैं। देश को बेच कर लालू को भ्रष्टाचारी कहते हैं। बिहार को तीन तीन कारखाना लालू ने दिया था। इनलोगों का काम है सिर्फ आरोप लगाना। हावर्ड के लोग लालू को मैनेजमेंट गुरु कहते हैं। राजद गरीब की पार्टी है लेकिन भाजपा के पास इतना पैसा है हजारों करोड़ इंटरेस्ट में मिलता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि आपलोग इधर-उधर कुछ नहीं चुपचाप लालटेन छाप दीजिए। जीतन राम मांझी आयेंगे तो पूछिएगा की शराब कब चालू करवा रहे हैं।

सहनी ने मोदी की तुलना हिटलर से कर दी: वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने पहले देश गुलाम था। कितने लोग शहीद हुए तो देश आजाद हुआ। हिटलर जब आया था तो चुनाव के समय में बड़ा बड़ा वादा किया था। जैसे नरेंद्र मोदी ने किया है। जब लोगों ने हिटलर को लाया था तो सबको मालूम है क्या हुआ था। उसी के रास्ते पर चलकर नरेंद्र मोदी आए हैं। कहा था काला धन लायेंगे सबको खाते में पैसा देंगे, रोजगार देंगे और अच्छे दिन लाएंगे। हमलोग को गुमराह किया गया। हम लोग झांसे में फंस गए तो मोदी आ गए। हिंदू-मुसलमान को धर्म के नाम पर बांटा जा रहा है।

मांझी के गढ़ में राजद की सेंधमारी: मालूम हो कि बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र से हम पार्टी के नेता सह एनडीए प्रत्याशी सह पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के समधिन ज्योति मांझी विधायक हैं। उन्ही के गढ़ में राजद नेता तेजस्वी यादव का चुनावी सभा आयोजित की गई। तेजस्वी यादव को सुनने के लिए कड़ी धूप का भी कोई असर नहीं दिखा। चिलचिलाती धूप में भी काफी संख्या में लोग जुटे। बीते विधानसभा चुनाव के दौरान हम नेता ज्योति मांझी ने मोहनपुर प्रखंड से बढ़त बनाई थी और बाराचट्टी विधानसभा से जीत हासिल किया था। बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र के मोहनपुर प्रखंड में यादव समाज की संख्या सबसे अधिक है। यही कारण है कि तेजस्वी की गया लोकसभा में यह पहली चुनावी सभा हुई। मोहनपुर प्रखंड में 50 से 60 हजार यादव, 15 हजार मुस्लिम, 10 हजार महादलित, 10 हजार कुशवाहा और ऊंची जाति के 5 हजार संख्या है। चुनावी सभा के दौरान जिला परिषद के 26 पार्षद, कांग्रेस, माले समेत महागठबंधन के सभी नेता मौजूद थे।

अल्पसंख्यक अपने असली हमदर्द को पहचानते हैं: चौधरी

पटना, अमृतवर्षा सं.। जदयू के वरिष्ठ नेता व जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने सोमवार को कहा कि बिहार के अल्पसंख्यक अपने असली हमदर्द को पहचानते हैं। उनकी हिफाजत की सीमा से आगे निकलकर उन्हें तालीमयाफ्ता बनाने व उनकी माली हालत सुधारने का काम यहां सिर्फ नीतीश कुमार के शासनकाल में हुआ। जदयू प्रदेश कार्यालय में संवाददाताओं से बातचीत के क्रम में उन्होंने यह बात कही। विजय चौधरी ने कहा कि 1989 में कांग्रेस शासनकाल में भागलपुर में हुए दंगे के दोषियों को राजद की हुकूमत में न सिर्फ बचाया गया बल्कि उन्हें सम्मानित भी किया गया। नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनने के बाद ही कातिलों को सजा मिली और पीड़ितों को मुआवजा मिल सका। विजय चौधरी ने कहा कि सिर्फ खौफ दिखाकर अल्पसंख्यकों के भावानात्मक शोषण करने के दिन लद गए। आज सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वालों के विरुद्ध तुरंत सख्त कार्रवाई की जाती है। अल्पसंख्यक समाज भयरहित माहौल में सुकून से तरक्की कर रहा। अल्पसंख्यकों के हित वाले सारे फैसले नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए के शासनकाल के दौरान ही लिए गए हैं। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने सोमवार को कहा कि राजद नेता तेजस्वी यादव विकास का ककहरा नहीं जानते। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों का क्रेडिट लेने के प्रयास में लगे तेजस्वी यादव का हाल खिंसियानी बिल्ली खंभा नोचे सरीखा हो गया है। उनके बयानों को सुनकर कोई बच्चा भी समझ सकता है कि उन्हें विकास का ककहरा तक नहीं पता। राजीव रंजन ने कहा कि तेजस्वी यादव बिना सोचे-समझे बोल देते हैं। उन्हें यह पता होना चाहिए कि बिहार के लोग यह जानते हैं कि राजद और विकास में पुरानी दुश्मनी है।

हमारी सरकार बनी तो पीएम और भाजपा के कई मंत्री जाएंगे जेल: मीसा

पटना। पाटलीपुत्र लोकसभा सीट से मीसा भारती लगातार चुनाव प्रचार में जुटी है। सोमवार को पटना के मसौढ़ी में जनसंपर्क अभियान किया। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मीसा भारती पीएम मोदी पर जमकर गरजीं। उन्होंने कहा कि चुनाव के वक्त ही पीएम मोदी को बिहार की याद आती है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो प्रधानमंत्री समेत भाजपा के कई मंत्री जेल जाएंगे। मीसा भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरों को भ्रष्टाचार और परिवारवाद का आरोप लगाते हैं। वे जमुई और नवादा में किसका प्रचार करने के लिए गए थे। उन्होंने कहा कि इलेक्टरल बॉड का घोटाला की बात क्यों नहीं करते हैं।

पटना में युवक की गोली मारकर हत्या

पटना, अमृतवर्षा सं.। राजधानी पटना से सटे मनेर में अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या की पीछे की वजह आईपीएल में सट्टा में हार के बाद पैसे को लेकर विवाद बताया जा रहा है। सोमवार को अहले सुबह स्थानीय लोगों ने एक युवक को मृत पड़ा सड़क किनारे देखा गया। मृतक युवक के शरीर पर गोली के निशान थे।मृतक युवक की पहचान मनेर थाना क्षेत्र के सराय सत्तर गांव निवासी पिंटू साव बेटे आनंद कुमार(19) के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों का रो-रो का बुरा हाल है। मृतक के पिता पिंटू शव ने बताया कि रुपए को लेकर ही कुछ दिन पहले दोस्तों के साथ मारपीट की घटना हुई थी। कुछ दिन पहले गांव

आईपीएल मैच में 50 हजार रुपये को लेकर दोस्तों से हुआ था विवाद, पहले भी हुई थी मारपीट

के ही रहने वाला मुन्ना कुमार, दीपक कुमार व अन्य ने आईपीएल में सट्टे के पचास हजार रुपए बकाया होने की बात कह मारपीट की थी। जिसके बाद जान से मारने की धमकी भी दी थी। रविवार की रात वह दोस्तों के साथ आईपीएल मैच देख रहा था। रात्रि 2 बजे के करीब गोली मारकर हत्या कर दी गई है। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि स्मैक और जुआ खेलने वाला यह इलाका अड्डा बना हुआ है। इस बाबत मनेर थाना में कई बार आवेदन भी दिया गया है। लेकिन पुलिस कोई करवाई नहीं करती है। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी पंकज कुमार मिश्रा एवं मनेर थाने के पुलिस मौके पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया । घटना के संबंध में बिहटा डीएसपी ने बताया कि मनेर थाना अंतर्गत सत्तर गांव में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस मौके पर पहुंच एक युवक को हिरासत में ले पूछताछ कर रही है। अपराधियों ने युवक के सीने में गोली मारी है।

पटना में बीजेपी कार्यालय के बाहर कंप्यूटर शिक्षकों का हंगामा

पटना। राजधानी पटना में सोमवार को कंप्यूटर टीचर्स ने जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। अपनी मांगों को लेकर भारी संख्या में आईसीटी इंस्ट्रक्टर सीएम आवास के बाहर प्रदर्शन करने लगे। जहां से पुलिस ने हल्ला बल प्रयोग करते हुए खदेड़ दिया। जिसके बाद प्रदर्शनकारी बीजेपी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन पर आमादा हो गए। कंप्यूटर टीचर्स का कहना है 5 साल के लिए अलग-अलग एजेंसियों के जरिए स्कूलों में उनकी बहाली हुई थी। लेकिन सिर्फ 6 महीने बाद ही उनकों स्कूलों से निकाला जा रहा है। और वेतन भी नहीं मिला है। जिसके विरोध में प्रदर्शन के लिए बाध्य होना पड़ा। और फिर पटना की सड़कों पर उतर आए। कंप्यूटर टीचर्स का कहना है कि अगर उनकी बात सरकार ने नहीं सुनी, और मांगें पूरी नहीं हुई तो लड़ाई आर-पार की होगी। वहीं विरोध प्रदर्शन के दौरान आर ब्लॉक के पास आंदोलन में कई अभ्यर्थियों को चोट लगी है। नवीन और मिथिलेश, मन्नू कुमारी और रानी कुमारी सौम्य घायल हुए हैं।

चाचा की मदद को चिराग ने नकारा, कहा

उन्होंने मेरे सर से अपना हाथ हटाया था, अब मुझे जरूरत नहीं

पटना, अमृतवर्षा सं.। चाचा पशुपति पारस के बैकफुट पर आने के बावजूद भतीजे चिराग पासवान के मन से कड़वाहट खत्म होती नहीं दिख रही है। यही वजह है कि चिराग अभी भी पारस के साथ रिश्ते सुधारने के लिए बिल्कुल भी इंटरेस्टेड नहीं हैं। चिराग ने चाचा ने ही मुझे घर-परिवार से निकालकर बाहर फेंक दिया था, लिहाजा अब मैं इन चीजों से काफी आगे निकल चुका हूं। हाजीपुर लोकसभा सीट से एनडीए प्रत्याशी चिराग पासवान ने अपनी जीत का दावा किया है। चिराग ने हाजीपुर लोकसभा के कई क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान चाचा से मिलने वाले संभावित आशीर्वाद की बाबत पूछे गए सवाल के जवाब में चिराग पासवान ने कहा कि उन्होंने आशीर्वाद का हाथ मेरे सिर से क्यों

हटा लिया, यह मुझे नहीं पता। मुझे घर और परिवार से निकाल कर बाहर कर दिया, इसका कारण मुझे नहीं पता था? क्या कारण था कि आप लोग बार-बार पूछते थे चिराग पासवान के साथ कोई समझौता हो सकता है? तब उनका (पारस) बार-बार कहना कि -सूरज पश्चिम से निकल जाएगा लेकिन चिराग से मेरा कोई रिश्ता नहीं रहेगा। चिराग ने कहा कि परिवार एक होने के बात पर उनका (चाचा) नेवर नेवर कहना मुझे नहीं पता। यह सारी बातें सारी घटना क्यों घटी? अगर मैं उनका सगा बेटा होता तो क्या इसी तरीके से मुझे निकाल कर बाहर करते। बहरहाल मैं अभी इन चीजों से बहुत बाहर निकल चुका हूं। मेरी लड़ाई बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट की लड़ाई के साथ आगे बढ़ना है। तमाम चीजों को पीछे छोड़ चुका हूं। आज की तारीख में प्रधानमंत्री जी को 40 की 40 सीटें जीत कर देनी है। चिराग पासवान ने बिना नाम लिए हुए चाचा पशुपति कुमार पारस जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हाजीपुर को विकास के कार्यों में काफी निराशा हुई है लेकिन वह प्राथमिकता देंगे। पिछले 5 वर्षों में लोगों को थोड़ी निराशा हुई है लेकिन उनकी पूरी कोशिश होगी कि फिर से लोगों का भरोसा बहाल करें। चिराग ने कहा कि मेरे पिता रामविलास पासवान ने लंबे समय तक इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

लोकसभा चुनाव को लेकर एनडीए की हायाघाट विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित हुई

पटना, अमृतवर्षा सं.। समस्तीपुर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत हायाघाट विधानसभा के सिधौली में लोजपा (रा) के प्रखण्ड कार्यालय में एनडीए गठबंधन के पदाधिकारियों व कार्यकताओं की बैठक पार्टी के प्रखण्ड अध्यक्ष अनिल कुमार पासवान की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें समस्तीपुर लोकसभा सीट से एनडीए गठबंधन से लोजपा (रामविलास) की प्रत्याशी श्रीमती शाम्भवी जी मुख्य रूप से शामिल हुई। एनडीए गठबंधन की तरफ से प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद पहली बार हायाघाट पहुंची श्रीमती शाम्भवी जी का एनडीए कार्यकताओं ने फूल-मालाओं के साथ पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। एनडीए की बैठक को संबोधित करती हुई श्रीमती शाम्भवी जी ने सबसे पहले

लोजपा (रा०) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान जी और ठउ्अ के शिर्ष नेतृत्व का टिकट देने के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि पहली बार देश में सबसे कम उम्र की युवा और महिला प्रत्याशी को मौका मिला हैं जिसे चुनाव में जीता कर संसद पहुंचाना यहां की जनता की जिम्मेदारी हैं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की झोली में बिहार से 40 की 40 सीटें देनी हैं जिसकों लेकर सभी कार्यकताओं को जी तोड़ मेहनत करने की जरूरत हैं। श्रीमती शाम्भवी जी विकसित समस्तीपुर के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राजद के 'जंगलराज' को याद कर आज भी डर जाते हैं लोग: प्रभाकर

पटना, अमृतवर्षा सं.। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने कहा कि पति-पत्नी के शासनकाल के जंगल राज को याद कर आज भी लोग डर जाते हैं। पति-पत्नी के 15 वर्षों का शासनकाल बिहार के इतिहास में काला अध्याय के रूप में हमेशा के लिए दर्ज हो चुका है। मिश्र ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि महागठबंधन के लोग कुछ भी बोले, कुछ भी वादे करें, बिहार के लोग फिर से जंगल राज में लौटना नहीं चाहेंगे। बिहार में आज जो कुछ बेहतर दिख रहा है वह एनडीए सरकार की देन है। एनडीए की सरकार ने बिहार की सूरत और सीरत दोनों बदली। आज बिहार और बिहारियों के प्रति नजरिया बदल गया है। आज बिहारियों की पहचान मेधावी, प्रतिभाशाली और मेहनती के रूप स्थापित है, वहीं, बिहार की पहचान सबसे तेज गति से प्रगति कर रहे राज्य के रूप में है। यह एनडीए सरकार की ही देन है। श्री मिश्र ने कहा कि महागठबंधन के एक बड़े नेता को दूसरे के अच्छे कार्यों का श्रेय लेने की आदत रही है। जिसके पिता ने नौकरी के बदले गरीबों की जमीन ले ली और योग्य अभ्यर्थियों की हकमारी की, वह युवाओं को

एनडीए सरकार ने बिहार को जंगलराज से मुक्त कर स्थापित किया सुशासन

क्या नौकरी देगा। राजद के इस नेता का बस चलता तो, एक-एक पद की बोली लगाकर करोड़ों रुपये डकार जाते। मिश्र ने कहा कि 2005 के बाद बिहार में क्या परिवर्तन हुआ है , यह किसी से पूछने कि बात नहीं, अपितु देखने और महसूस करने की बात है। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने बिहार की खोयी अस्मिता को वापस लाया। केंद्र की एनडीए सरकार की मदद से कई योजनाएं शुरू कीं और बिहार का सर्वांगीण विकास किया। एनडीए के शासनकाल में बिहार में हुए सकारात्मक बदलाव को समझने के लिए 2005 के पहले के बिहार को याद करना होगा। एनडीए की सरकार जब 2005 में बनी, तब एक नये युग का सूत्रपात हुआ। यह नया युग है विकास का, युवाओं के रोजी-रोजगार का और समाज में अमन-चैन का। केंद्र की मोदी सरकार और बिहार की एनडीए सरकार ने देश -प्रदेश में रोजी-रोजगार की बहार ला दी है।

आपसी विवाद में अपराधियों ने छात्र को मारी गोली, हालत गंभीर

पटना। पटना सिटी के अगम कुआं थाना क्षेत्र के भागवत नगर में अपराधियों ने घर में घुसकर एक छात्र को गोली मार दी। घायल अवस्था में छात्र को इलाज के लिए पटना के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। बताया जाता है कि पहले अपराधियों ने दरवाजा खुलवाया फिर विवाद के बाद गोली मार दी। घटना की सूचना मिलते ही पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सहित कई पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। घायल युवक की पहचान शेखपुरा निवासी आनंद कुमार (26) के रूप में हुई है। घायल आनंद कुमार अगमकुआं स्थित एक मकान में रहकर पढ़ाई किया करता था। अगमकुआं थाना क्षेत्र के भागवत नगर में एक निजी मकान में आनंद कुमार अपने कुछ दोस्तों के साथ पिछले 10 दिनों से रहकर परीक्षा की तैयारी कर रहा था। इस बीच रविवार की देर रात 3 से 4 की संख्या में युवक उसके घर के नजदीक पहुंचे और दरवाजा खुलवाया।

पूर्व विधायक भाजपा में शामिल, सम्राट चौधरी बोले

पीएम मोदी पर देश को है भरोसा, दुनिया में बढ़ा है भारत का सम्मान

पटना, अमृतवर्षा सं.। बिहार में सभी 40 लोकसभा सीटों पर जीतने का लक्ष्य लेकर उतरी भाजपा का कुनबा लगातार मजबूत हो रहा है। आज बरबरी पूर्व विधायक रामानंद राम, मुखिया संघ के अध्यक्ष राजकुमार चौधरी, राजद के विधानसभा प्रत्याशी डा. आरके चौधरी सहित बड़ी संख्या में कई नेता भाजपा में शामिल हुए। बिहार भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने उनका स्वागत किया। इस दौरान सम्राट चौधरी ने कहा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है और 2014 का भारत और आज का भारत स्पष्ट दिख रहा है। पहले सिर्फ रिमोट वाली सरकार दिखती थी और आज प्रधानमंत्री पूरे देश में दिखते हैं और दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। भारत अर्थिक रूप से गरीब था लेकिन आज दुनिया में 5वें स्थान

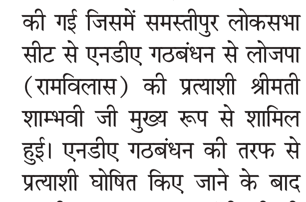

पर है इसके पहले कई प्रधानमंत्री बने देश में और 2047 के पहले दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति बनना है। प्रधानमंत्री ने कल कहा हम सत्ता में मौज करने नही आए हैं और हमे गरीबी को हराना है और देश में 80 करोड़ लोग को मुफ्त अनाज दे रही है और बिहार में 8 करोड़ से अधिक लोग बीमार पड़े तो इलाज के लिए आयुष्मान से 5 लाख तक का इलाज हो। भाजपा देश और बिहार के विकास के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। इस देश में जनता की ताकत से प्रधानमंत्री है। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई होगी। देश में चाहे झारखंड के मुख्यमंत्री और दिल्ली का मुख्यमंत्री हो सब पर कार्रवाई होगी। बिहार में भी कार्रवाई होगी। जो नया कानून आया है, जिसमें बच्चों से शराब बेचवानेवालों और बालू माफियाओं पर कार्रवाई होगी। गरीबों और महिलाओं की चिंता पहली बार 2005 में 50% आरक्षण महिला को और 2029 को 1 तिहाई लोकसभा चुनाव महिला बनेगी और दूसरे तरफ आरक्षण के नाम पर पहले अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री, फिर उस बेटे को जो क्रिकेट नहीं खेला बल्कि पानी ढोया और एक बेटा हरे राम , एक बेटी सिंगापुर से सीधे चुनाव और एक बेटी बार बार चुनाव हारती है। उन सबको मौका दिया। कांग्रेस के लोग बोल रहे हैं धारा 371 लाकर कश्मीर को फिर से पुराने स्थिति में लाने की, उनको 370 याद नही रहता है और बिहार के लोग कारगिल में शहीद हुए हैं सबका अपमान कर रही है।

अमृतवर्षा संपादकीय

मोदी की गारंटी बनाम कांग्रेस का न्याय

लोकसभा चुनाव की तैयारी के बीच सभी राजनीतिक दल अपने अस्तित्व को प्रभावी बनाने के उद्देश्य को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। इतना ही नहीं विपक्षी राजनीतिक दल केवल वर्तमान सत्ताधारी दल के विरोध पर ही अपना पूरा फोकस करते हुए चुनावी मैदान में हैं। इसके अलावा एक बड़ी बात यह भी है कि भाजपा ने जहां मोदी की गारंटी को प्रमुख हथियार बनाकर अपने मन में विश्वास बनाया है, वहीं अब कांग्रेस भी इसका अनुसरण करने की नीति अपना रही है। भाजपा की ओर से मोदी की गारंटी के बाद कांग्रेस के राहुल गांधी अपनी पार्टी की 25 गारंटी जनता के सामने लाए हैं। इसके साथ ही कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र का नाम देकर एक नई राह बनाने का काम किया है। हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव भी कांग्रेस ने न्याय देने के वादे पर ही लड़ा था, लेकिन अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हुए। हम जानते हैं कि भाजपा ने 2014 के चुनाव में भारत के चाय वालों के साथ गहरा संबंध स्थापित किया था, इसी प्रकार 2019 के चुनाव में कांग्रेस के चौकीदार चोर है के जवाब में ह्यमैं भी चौकीदारह्न का नारा देकर गरीब तबके को अपने साथ जोड़ा था। इस चुनाव में मोदी की गारंटी भाजपा का नारा है। कांग्रेस ने भी गारंटी देने का वादा किया है, लेकिन जनता किसकी गारंटी को स्वीकार करती है, यह समय बताएगा।

मैं इस लेख को किसी राजनीतिक दल के समर्थन या विरोध के लिए नहीं लिख रहा हूँ, लेकिन जो सच है उसको लिखने से कोई आशय निकलता है तो भले ही निकले, लेकिन उसे परिवर्तित नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि एक बार पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने कांग्रेस की योजनाओं की नाकामी को स्वीकार करते हुए सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया था कि सरकार गरीब जनता तक जो लाभ पहुंचाती है, उसका मात्र 15 प्रतिशत ही पहुँच पाता था। इसका आशय यह भी है कि 85 प्रतिशत राशि या तो कमीशन खोरी में जाता था या प्रशासनिक अव्यवस्था की भेंट चढ़ जाता था। इसका एक अर्थ यह भी निकाला जा सकता है कि कांग्रेस के शासन काल में हर शासकीय योजना भ्रष्टाचार का शिकार हुई। इसके विपरीत वर्तमान केंद्र सरकार में कम से कम इतना तो हुआ ही है कि गरीब तक पहुँचने वाला लाभ बिना किसी बिचौलिए के पात्र व्यक्ति को ही शत प्रतिशत मिल रहा है। यानी अब योजनाएं बिना किसी भ्रष्टाचार के पूरी हो रही हैं। कांग्रेस पार्टी की और से दी जाने वाली गारंटी निश्चित ही कांग्रेस कार्यकताओं के मनोबल में बढ़ोत्तरी करेगी। क्योंकि अब उनके पास भी जनता के बीच अपनी योजनाएं रखने के लिए मौका है। कांग्रेस के यह बात भी एक संजीवनी का कार्य कर रही है कि उसके नेता राहुल गांधी जनता के बीच जाने के लिए बहुत तेजी से सक्रिय होते जा रहे हैं। लेकिन महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि कांग्रेस को केवल मोदी विरोध की राजनीति से तौबा करना चाहिए, उसे केवल जनता के बीच जाकर अपने वादे बताकर जनता से संबंध बनाने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति की अपनी शैली होती है। मोदी की शैली यही है कि वह जनता की भावना के अनुसार ही अपना भाषण देते हैं। इसके अलावा राहुल गांधी कभी कभी पटरी से उतरते दिखाई देते हैं।

कांग्रेस की ओर से जारी किए गए घोषणा पत्र में न्याय देने की बात कही गई है। साथ ही जातिगत जनगणना करने का भी वादा किया गया है। हो सकता है जातिगत जनगणना का वादा कांग्रेस के लिए लाभकारी साबित हो, लेकिन इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि इस मुद्दे पर भारत की पूरी जनता आँख बंद करके समर्थन करने के लिए आगे आ जाए। क्योंकि जो संस्थान या व्यक्ति समाज को एक करने के लिए प्रयास कर रहीं हैं, उनको कांग्रेस का यह वादा न्यायसंगत नहीं लग रहा होगा। यह बात सही है कि आज समाज बदल रहा है। वह जातिगत समाज के बाहर आकर भारतीय समाज यानी एकत्रित समाज होने की दिशा में बढ़ रहा है। ऐसे में यह भी कहा जा सकता है कि कांग्रेस का यह कदम समाज में विभाजन की लकीर खींचने का काम कर सकता है।

इस देश के अनेक चुनावों में यह देखने को मिला है कि विपक्षी दल महंगाई और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को घेरने का अभियान सा चलाते थे। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में मेहंगाई के मुद्दे को उछालकर कांग्रेस की नींद हराम कर दी थी, इसी प्रकार बोफोर्स मामले को मुद्दा बनाकर विपक्ष ने चुनाव लड़ा, जिसमें राजीव गांधी की सरकार को सत्ता से हाथ धोना पड़ा। आज विपक्ष के पास सरकार के विरोध में ऐसा कोई मुद्दा नहीं है, जिस पर सरकार को घेरा जा सके। इसके विपरीत सत्ता पक्ष की ओर से विपक्ष पर ही भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह राजनीति की दशा और दिशा को बदलने वाला दृश्य कहा जा सकता है। यह पहला चुनाव कहा जा सकता है, जिसमें सत्ता पक्ष विपक्ष को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घर रहा है। विपक्ष के कुछ दल इस मामले में मौन साधे हुए हैं, क्योंकि जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं, वे या उनके साथी उनके साथ हैं। इससे यह भी साफ संकेत जाता है कि भ्रष्टाचार के विरोध में विपक्ष की कोई योजना नहीं है। मोदी सरकार के दस साल के कार्यकाल में एक भी भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है, जबकि विपक्ष पर आज भी आरोप लग रहे हैं। कई तो जमानत पर बाहर हैं।

अब जब लोकसभा चुनाव के मैदान सज गया है, सभी राजनीतिक दल अपने अपने बयानों में पैनापन लाने की कवायद कर रहे हैं, तब यह तो कहा जा सकता है कि इस बार का चुनाव कई दलों के लिए आरपार की लड़ाई हो गई है। जो राजनीतिक दल सत्ता सुख से लम्बे समय से दूर हैं, वह बेचैन से हो रहे हैं। हालांकि यह भी एक बड़ा सच है कि सत्ता पक्ष को निरंकुश होने से बचाने के लिए मजबूत विपक्ष का होना बहुत आवश्यक है, लेकिन यह भी सत्य है कि विपक्ष को मजबूत करने के लिए सत्ता पक्ष की ओर से प्रयास नहीं किए जाते। इसके लिए स्वयं विपक्ष को ही प्रयास करना होगा। विपक्ष की ओर से यह भी आरोप लगाया जाता है कि केंद्र सरकार विपक्ष को कमजोर कर रही है, ऐसा आरोप लगाना विपक्ष की कमजोरी को ही दशार्ता है। इसलिए विपक्ष को अब एक ताकत के रूप में अपने आपको प्रस्तुत करना होगा।

संस्थापक संपादकः स्व. पारसनाथ तिवारी
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक रीता तिवारी द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर, सेक्टर-4 बहादुरपुर, पीओ-बीएच कॉलोनी, अगमकुंआ, पटना-26 से मुद्रित व पंत भवन, पं जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-1 पोस्ट बॉक्स नं. 212 जी.पी.ओ., पटना-1 दूरभाष- 9905463571, 8757425017, धनबाद
कार्यालयः मास्टर पाड़ा जे.सी. मल्लिक रोड, हीरापुर, धनबाद दूरभाष- 2204991, दिल्ली कार्यालयः बी-49, जैन मंदिर गली, शकरपुर मेन मार्केट, दिल्ली-110092, फोन नं.- 011-22055208, आर.एन.आई नं. 44420/87
ईमेलः amritvarshanews2015@gmail.com

लोकतंत्र को कमजोर करती है अवसरवादी राजनीति

कांग्रेस में लगातार वफादार नेताओं का पलायन जारी है, नये नामों में कांग्रेस के प्रवक्ता गौरव वल्लभ, महाराष्ट्र के जिम्मेदार एवं पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम, बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा, निशाना साधने वाले मुक्केबाज विजेंदर, आचार्य प्रमोद कृष्णम हैं, जिन्होंने कांग्रेस को बाय-बाय कर दी है। इन सभी ने कांग्रेस के मुद्दाविहीन होने, मोदी के विकसित भारत के एजेंडे, राहुल गांधी की अपरिपक्व राजनीति एवं कांग्रेस की सनातन-विरोधी होने को पार्टी से पलायन का कारण बताया है। कुछ भी कहे, यह राजनीति में अवसरवाद का उदाहरण है, इस तरह का बढ़ता दौर चिंताजनक है। भारत की राजनीति में दलबदल की विसंगति एवं विडम्बना आजादी के बाद से लगातार देखने को मिलती रही है। पिछले साढ़े सात दशक के भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक पराभव के अक्स गाहे-बगाहे उजागर होते रहे हैं। दलबदल के बढ़ते दौर ने अनेक सवाल खड़े किये हैं। कल तक विपक्ष में जो नेता दागी होते थे, सतारूढ़ दल में शामिल होने के बाद ऐसा क्या हो जाता है कि उनके दाग दाग नहीं रहते। राजनीति में निष्ठाएं बदलने की स्थितियां आम नागरिकों को उद्वेलित कर रही हैं कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि दागी नेता सत्ता की धारा में डुबकी लगाकर दूध का धुला घोषित हो जाता है।

हर बार चुनावों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दलों में 'आयाराम-गयाराम' का खेल शुरू हो जाता है। विभिन्न दलों के प्रभावी नेताओं को अपने दल में शामिल कराने की होड़ मची है, कभी कोई एक दल बाजी मारती हैं तो कभी कोई दूसरा दल। सभी सेलिब्रिटी आखिर सत्ता की तरफ ही क्यों भागते हैं? पूर्व न्यायाधीश हो, पूर्व अधिकारी हो, अभिनेता हो या खिलाड़ी राजनीति में अपना भविष्य आजमाते रहे हैं। अगर भाजपा की विचारधारा किसी विजेंदर, गौरव या अनिल शर्मा जैसे लोगों हो क्यों अच्छी लगती है तो सवाल यह भी है कि पिछले पांच साल तक वे कांग्रेस में क्यों रहे? ऐसे नेताओं की भी कमी नहीं है जो गत वर्ष के अंत में हुए विधानसभा चुनावों में एक पार्टी के चुनाव चिह्न पर उम्मीदवार थे तो अब दूसरी पार्टी का चुनाव चिह्न लेकर मैदान में उतरते दिख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इनदिनों भाजपा में जो विभिन्न दलों के तीस के लगभग राजनेता शामिल हुए हैं उनमें कांग्रेस, राकांपा, शिवसेना, टीएमसी, टीडीपी, एसपी और वाईएसआर कांग्रेस के नेता शामिल हैं। क्या यह भाजपा के निश्चित जीत की संभावनाओं का

हर बार चुनावों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दलों में 'आयाराम-गयाराम' का खेल शुरू हो जाता है। विभिन्न दलों के प्रभावी नेताओं को अपने दल में शामिल कराने की होड़ मची है, कभी कोई एक दल बाजी मारती हैं तो कभी कोई दूसरा दल

परिणाम है या केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के डर का परिणाम है। निश्चिय ही यह स्थिति किसी लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये शुभ नहीं कही जा सकती।

देश में लंबे समय से चुनाव सुधारों पर चर्चा चल रही है लेकिन चर्चा इस पर भी होनी चाहिए कि दलबदल का बढ़ता दौर कैसे रूके। राजनीति एवं राजनेताओं में नीति एवं सिद्धान्तों की बात प्रमुख होनी चाहिए लेकिन ऐसा न होना लोकतंत्र की बड़ी विसंगति है। राजनीति में सबकुछ जायज है वाली सोच एवं स्वार्थ की नीति दुर्भाग्यपूर्ण है। चुनाव का समय हर राजनेता के लिये अपने हित एवं स्वार्थ को चुनने का समय होता है, लेकिन उनके सामने लोकतंत्र के हिताहित का प्रश्न बहुत गौण हो जाता है। चुनावों में आचार संहिता के चलते कई प्रतिबंध लागू हो जाते हैं, लेकिन राजनीति में में दल-बदल पर नियंत्रण का कहीं कोई प्रावधान ही नहीं है, जबकि यह लोकतंत्र की जीवंतता एवं पवित्रता के लिये प्राथमिकता होनी चाहिए। सत्ता का स्वाद ही ऐसा होता है कि कोई भी राजनेता इससे अछूता नहीं रहता। इसीलिए आजकल दल बदलने का दौर खूब हो रहा है। यह बात दूसरी है कि ज्यादातर नेताओं में भाजपा का दामन थामने की होड़ मची है। एक दिन पहले भाजपा पर निशाना साधने एवं जीभर कर कोसने

वाले नेताओं को एकाएक भाजपा इतनी अच्छी क्यों लगने लगती है? भाजपा को भी सोचना चाहिए कि आखिर ये अवसरवादी नेता जबभी उनके अनुकूल नहीं हुआ तो उसे भी बाय-बाय कर देंगे?

भाजपा को यह भी देखना चाहिए कि पार्टी के निष्ठावान कार्यकताओं की अनदेखी कर चंद घंटों पहले पार्टी में शामिल होने वाले को टिकट देना कहां तक उचित है। दलों को विचार करना ही होगा कि राजनीति के मायने चुनाव जीतना भर ही है या फिर वे विचारधारा के लिए समर्पित कार्यकताओं को मौका देकर राजनीति को स्वस्थ रखना चाहते हैं। लोकतंत्र में जनता की आवाज की ठेकेदारी राजनैतिक दलों एवं नेताओं ने ले रखी है, पर ईमानदारी से यह दायित्व कोई भी दल एवं नेता सही रूप में नहीं निभा रहा है। सारे ही दल एवं नेता एक जैसे हैं यह सुगबुगाहट जनता के बीच बिना कान लगाए भी स्पष्ट सुनाई देती है। राजनीतिज्ञ पारे की तरह हैं, अगर हम उस पर अँगुली रखने की कोशिश करेंगे तो उसके नीचे कुछ नहीं मिलेगा। सभी दल राजनीति नहीं, स्वार्थ नीति चला रहे हैं।

भाजपा को अपने 400 पार के लक्ष्य को हासिल करना है, इसके लिये वह हर-तरह के समझौते कर रही है, दागी नेताओं को भी अपनी पार्टी में जगह दे रही है। ऐसे नेताओं के अपराधों पर भी परदा डाला जा रहा है। विडंबना है कि राजनीतिक निष्ठा बदलना इन नेताओं के लिये राहतकारी साबित हुआ है। वजह यह कि इन नेताओं से जुड़े अपराध के मामले ठंडे बस्ते में डाल दिये गए हैं। जबकि दलील यह दी जाती है कि मामले बंद नहीं हुए हैं, जरूरत पड़ी तो जांच और कार्रवाई भी होगी। जो विपक्ष के उन आरोपों की पुष्टि करते हैं कि यह कार्रवाई राजनीतिक दुराग्रह एवं आग्रह के रूप में की जाती रही है। यही वजह है कि दल बदलने का फैसला राहत का रास्ता मान लिया जाता है। ऐसे में आम आदमी के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि अचानक जांच एजेंसियां निष्क्रिय क्यों हो जाती हैं? क्यों किसी एजेंसी को लेकर अदालत को कहना पड़ता है कि फलां एजेंसी पिंजरे में बंद तोता है और मालिक की बोली बोलता है। विपक्ष के ऐसे तमाम आरोपों की तार्किकता हाल में आई एक रिपोर्ट दशार्ती है। जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2014 के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का सामना कर रहे 25 विपक्षी नेताओं के सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के बाद उनमें से 23 को राहत मिल गई है। इनमें से तीन मामले बंद हो गए हैं और बीस की जांच रुकी हुई है। ऐसे अवसरवादी नेता फिर किसी नई पार्टी में नहीं जाएंगे इसको क्या गारंटी है? अच्छे लोग राजनीति में यदि सिर्फ पद पाने के लिए ही आए तो उसे क्या माना जाए? ऐसी जानी-मानी हस्तियां भी हैं जो आज यहां और कल वहां के उदाहरण पेश कर चुकी हैं। ऐसी सलेब्रिटी को पार्टी में शामिल होते ही टिकट से पुरस्कृत कर दिया जाता है।

राजनीतिक दलों को इस बड़ी विसंगति एवं अवसरवादिता पर विचार तो करना ही चाहिए कि आखिर कौन, किस इरादे से पार्टी में आ रहा है। ऐसे ढेरों उदाहरण मौजूद हैं कि नामी-गिरामी लोगों ने राजनीति में प्रवेश किया, टिकट भी मिला और चुनाव जीते भी। उसके बाद जनता से जुड़ ही नहीं पाए और अगले चुनाव में इनका टिकट कट गया। स्वस्थ राजनीति में ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो निष्पक्ष हो, ईमानदार हो, सक्षम हो, सुदृढ़ हो, स्पष्ट एवं सर्वजनहिताय का लक्ष्य लेकर चलने वाला हो। लेकिन स्वार्थी, अक्षम, दागी नेताओं को किसी भी दल में जगह देना यह उस दल की मजबूती एवं स्वस्थ राजनीति पर एक बदनुमा दाग है। विडम्बना है कि लोकतंत्र में सिर गिने जाते हैं, मस्तिष्क नहीं। इसका खामियाजा हमारा लोकतंत्र भुगतता है, भुगतता रहा है। ज्यादा सिर आ रहे हैं, मस्तिष्क नहीं। जाति, धर्म, स्वार्थ और वर्ग के मुखौटे ज्यादा हैं, मनुष्यता के चेहरे कम। तभी राजनीति अवसरवादिता का अखाड़ा बनती जा रही है।

भगवान से पहले लोगों की सुनता है शैतान, चुटकियों में कर देता है मनोकामना पूरी, तंत्र में शैतानी पूजा की कहानी

एक कहावत कहावत है, भगवान के घर देर है अंधेर नहीं, मगर शैतान के घर देर नहीं है,लेकिन अंधेर ही अंधेर है। यहीं चीज इस कहावत को भी सही करती है कि ठ्ठॅल्ल' ङ्मा शॅ ऊॅ५' ॅल्ल ऊॅ५'-२ ी१ी (शैतान का नाम लो शैतान जाहिर)। प्रभासाक्षी न्यूज के एस्ट्रो एस्पर्ट आशीष तिवारी कहते है कि शैतानी शक्तियों को जागृत करने के लिए शैतान की पूजा की जाती है। पश्चिमी देशों में मान्यताएं हैं जब गॉड नहीं सुनता है तो शैतान सुनता है। शैतान को याद करते ही शैतान तुरंत हाज़िर हो जाता है। ईश्वर को आने में देर हो सकती है लेकिन शैतान देर नहीं करता है तुरंत आ जाता है। तंत्र में शैतानी पूजा की कहानीः ये किसी ईश्वरीय शक्ति पर यकीन करने के बजाय अपने नियम खुद बनाते हैं और खुद की जिंदगी अपनी शर्तों के मुताबिक जीते हैं। ईश्वर की सर्वसत्ता है, यहाँ पर सब कुछ संतुलित है, शैतान इस संतुलन को बिगाड़ना चाहता है, उदाहरण है प्रकृति का जल निकासी व्यवस्था, पानी की एक निश्चित मात्रा, सागर से बादल वाला कोण। ईसाई, इस्लाम और यहूदी धर्म में शैतान को ईश्वर का विरोधी माना गया है। शैतान को भी ईश्वर ने ही बनाया था लेकिन ईश्वर की अवज्ञा करने के कारण उसे नर्क भेज दिया गया जहां वह नर्क का राजा बन गया। शैतान लोगों से सौदा करके उनकी आत्मा को खरीद लेता है और बदले में उन्हें बेशुमार दौलत और शोहरत देता है। ईसाई धर्म में लूसिफर को पतित देवदूत, नर्क का राजा या शैतान कहा जाता है जो नर्क का शासक है। यह लोगों की सही गलत इच्छाऐं पूरी करता है और मरने के बाद उनकी आत्मा को अपने साथ नर्क में ले जाता है। शैतान के उपासक ईश्वरीय विधान को ना मानकर मनमाना आचरण करते हैं और जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीते हैं। पश्चिम के देशों में शैतान की उपासना करने का प्रचलन लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों में शैतानी धर्म को मानने वाले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। एक्सपर्ट आशीष तिवारी कहते हैं कि इनके अंदर काफी बुरी आत्माएं रहती है। जिन आत्माओं का ढंग से दाह संस्कार नहीं होता। श्राद्ध कर्म और तर्पण विधि नहीं होती। वो आत्मयाए या तो भटकती रहती है। या फिर किसी तांत्रिक के चंगुल में रहती हैं या फिर किसी शैतान के अंदर में आ जाती है। हालाकि शैतान भी मनोकामना पूरी करते है पर वो इसके बदले कोई जान या बली लेते है। ये भी अपना अलग स्वर्ग और नरक बनाया हुआ होता है। अगर आप इसके पूजा पद्धियों को अपना कर बाद मे शैतान के अनुसार अपने जीवन का पालन नहीं किया, तो आपको उसका बनाया

इंडियन पद्धति में माना जाता है की शैतान के उपासक को जीवन में सफलता तो मिल जाती है मगर एक कल्प तक उसे सूक्ष्म शरीर या कल्प योनि में रहना पड़ता है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने बोला है कि उन्होंने इन्सान को पूरी तरह का छूट दिया है कर्म करने के लिए

हुआ नरक में जाना होगा। और शैतान के अलावा तो किसी दूसरे को मानना नहीं है। इनका पूरा समानांतर दुनिया होती है भगवान के तरह। ये पूजा और बली के दम पर इतनी मजबूत हो जाती हैं कि कभी कभी भगवान की सत्ता को भी चुनौती दी देती हैं।

इंडियन पद्धति में माना जाता है की शैतान के उपासक को जीवन में सफलता तो मिल जाती है मगर एक कल्प तक उसे सूक्ष्म शरीर या कल्प योनि में रहना पड़ता है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने बोला है कि उन्होंने इन्सान को पूरी तरह का छूट दिया है कर्म करने के लिए। यहां तक कि उन्होंने हर मनुष्य को ये छूट दे रखी है कि वो अपने देवता या भगवान को खुद चुन सकता है। वो चाहे तो शैतान को भी चुन सकता है। पर मरने के बाद वह उसी के पास जाएगा। जिसकी वो पूजा करता है। वो आदमी मरने के बाद उसी लोक में जाएगा जिसकी वो पूजा करता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि जो व्यक्ति शैतान उस को कल्प तक सूक्ष्म शरीर में रहना पड़ता है यानी कि प्रेत योनि में रहना पड़ता है। और वो आत्माएं कल्प के अंत तक प्रेत योनी में रह कर पृथ्वी पर विचरण और उस शैतान के लोक में इधर उधर तरसी रहती है। वो तरप तरप कर भगवान का इंतजार करती है। जब कल्प के अंत में भगवान का अवतार होगा। तो उनके हाथों मारे

जाने पर उन बुरी आत्माओं और शैतान का उद्धार होगा जैसे कल्कि भगवान का अवतार होगा। क्युकी शैतान भी भगवान की रचना है। चुकी वो भगवान की सत्ता को चुनौती देते हैं इसलिए उनकी ये गत होती है। एक्सपर्ट आशीष तिवारी कहते हैं जिसको आप नॉर्मली आत्मा कहते हो वो आत्मा नहीं होती वो सूक्ष्म शरीर होती है। क्युकी सूक्ष्म शरीर को भूख प्यास लगती है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने इंसान के तीन शरीर बताए हैं। स्थूल शरीर, सूक्ष्म शरीर, और कारण शरीर। आत्मा तो सबकी एक है। जो जैसा कर्म करता है वो उसी के अनुरूप फल की प्राप्ति करता है। तभी तो आप देखते हैं की कोई ज्यादा सुख पाता है तो कोई ज्यादा दुख पाता है। ऐसा थोड़े ही है कि भगवान ने सीधे आदमी को टपका कर किसी के गर्भ में उस आदमी सीधे धरती पर भेज दिया। उस को पूरा 84 लाख योनियों से गुजर कर मनुष्य की योनि में जन्म लेता है। फिर अगर खराब कर्म किया। अगले जन्म कोई जानवर या कोई मुर्गा मान लो बन गया फिर वो कतलखाने में जाएगा फिर उसका कतल होगा। फिर दुबारा से वो मानव जीवन जीने के लिए लंबे फेस में जाएगा। भगवान या किसी देवता को आप फूल, भांग, धतुर, मिठाई, कुछ भी चढ़ा सकते है। अगर आप चाहे अगर आप की इच्छा है तो आप बली भी दे सकते है। कुछ भगवान है कि वो आपकी श्रद्धा देखते हैं। आप उन्हें मांस मदिरा भी चढ़ा सकते है अगर आपकी इच्छा है तो पर सारे भगवान नहीं। भगवान की शक्तियां तीनों गुणों में होती हैं। सतो गुण,रजो गुण, तमो गुण। पर शैतान जो है वो केवल तमों गुण वाला होता है।

अर्थात शैतान को खून चाहिए होता है। यानी शैतान को हमेशा बली चाहिए होती है। चाहे इंसान की या जानवर की। उसको खून से मतलब है सुनने में यह भी आता है कि जो लोग शैतान की पूजा करते है वो लोग अपना कोई अंग को काटकर थोड़ा सा खून बहा देते है। या फिर वो कोई बली देकर शैतान की पूजा करते हैं। बिना पहली बार खून या जान की बली दिए वो शैतान के नुमाइंदे या उसका पुजारी नहीं बन सकते। एक्सपर्ट आशीष तिवारी कहते है कि भगवान की अगर आप पूजा कर रहे है तो आप एक भगवान का कीजिए दूसरे भगवान का पूजा कीजिए,या नहीं पूजा कीजिए या भगवान का पूजा करने के बाद छोड़ भी दीजिए अगर आपका मतलब निकल गया हो तो या फिर जब मर्जी उनकी पूजा कीजिए भगवान को फर्क नहीं पड़ता भगवान की पूजा करके आप आपने ही पापो को दुखों को दूर कर सकते है। अगर आप शैतान की एक बार अगर आपने पूजा शुरू कर दी तो आप भगवान की पूजा नहीं कर सकते। शैतान के अलावा आपको किसी पूजा नहीं करनी है। इस से शैतान नाराज हो जाएगा। आप किसी भी भगवान के आगे आपको नतमस्तक नहीं होना है। यहां तक कि आपको किसी भगवान का प्रसाद नहीं खाना है। मुझे याद है कि जब मै छोटा था तो मेरे एक नौकर का पिता था जो कुछ खराब चीजों की पूजा करता था, वो अपने बच्चे से मिलने मेरे ननिहाल में आया था। जब मैंने उसे प्रसाद दिया तो उस ने प्रसाद ले तो लिया पर फेंक दिया उस प्रसाद को चुपके से। भगवान के पूजा आप नियम में रह कर या बिना किसी नियम के अनुसार कर सकते है। आप वक्त के पाबंद है तो ठिक है नहीं है तो भी ठीक है। पर शैतान की पूजा एक बार आपने कर ली तो बड़ा ही नियम कानून से उस की पूजा करनी होती है। क्युकी शैतान को बहुत कम समय भगवान ने दिया है। भगवान तो दयालु हैं। उन्होंने कुछ समय दिया है उसी समय या उसी मुहूर्त में शैतान की पूजा की जाती है, उस मुहूर्त के पहले या बाद की पूजा उस शैतान को नहीं लगती हैं। उनको बहुत सख्त नियम का पालन करना होता है। जब कोई शैतान की पूजा करता है। तो उसे ज्यादा पूजा करनी होती हैं भगवान कि पूजा करने वालो के मुकाबले। और वो भी वक्त का पाबंद होकर। और इस तरह की पूजा में आप नए लोगो को जोड़ेंगे तो शैतान खुश होगा। शैतान के पुजारी लोग की संख्या बढ़ने से उसकी ताकत बढ़ती है।

भारतीय भाषाओं के उत्थान में केंद्र सरकार की भूमिका सराहनीय

लेखक-प्रो. डॉ. आतिश पराशर
प्राध्यापक, जनसंचार एवं मीडिया विभाग, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया

हाल के वर्षों में भारतीय भाषाओँ के उत्थान के लिए केंद्र सरकार ने जितनी योजनाओं और कार्यक्रमों की शुरूआत की है वो काबिलेगौर है। भारतीय भाषाओँ के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति के आगमन के साथ ही यह स्पष्ट हो चुका था कि अब शैक्षणिक या व्यवहारिक स्तर पर क्षेत्रीय भाषाओँ को दोयम दर्जे से उठाकर ज्ञान और सीखने की प्रारम्भिक कड़ी के रूप में विकसित करने की मंशा इस सरकार की है। प्रायः बौद्धिक संसर्गों में यह बार-बार सवाल उठता रहा है कि हमें राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा और कार्यालयी उपयोग में क्षेत्रीय भाषाओँ को प्राथमिकता देनी चाहिए लेकिन ये संसर्ग कभी क्रियान्वयन के स्तर पर नहीं पहुँच पाई। वर्तमान दौर में देश के हालात तेजी से बदल रहे हैं और राष्ट्रवाद के इस युग में देश की खोई परम्पराओं को जगाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के तमाम बौद्धिक संगठन प्रयासरत हैं। भारतीयता को पाश्चात्य संस्कृति के सामने त्याज्य रूप में पेश करने वाली मानसिक गुलामी इस दौर में तेजी से बदली है और यह केवल कर्मनिष्ठ सरकार और उसके कठोर निर्णय लेने की क्षमता ने मजबूती प्रदान की है। आज हम खुलकर बौद्धिक कार्यक्रमों में हिंदी सहित भारतीय भाषाओँ के ऊपर विमर्श कर रहे हैं तो इससे न केवल देश की अखंडता को बल मिलता है बल्कि हाशिये पर रहने वाली भाषा को वैश्विक और राष्ट्रीय मंच भी मिल रहा है। प्रायः कई भारतीय भाषाएँ अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों से कभी बाहर नहीं निकल पाती थी और न ही उन भाषाओँ के विद्वानों, शोधार्थियों और उपयोगकताओं को अपनी बातों को रखने का बड़ा फलक ही मिल पाता था। लेकिन वर्तमान दौर में ये सारी शिकायतें दूर हुई हैं और अब देश में बौद्धिक संसर्गों में भारतीय भाषाओँ में खूब चचाएँ और कार्यक्रम आयोजित होने लगे हैं। ऐसी ही गतिविधियों को संचालित करने में भारतीय भाषा समिति नामक संस्था जिसकी स्थापना वर्तमान केंद्र सरकार ने शिक्षा मंत्रालय के अधीन 2022 में की है, उसने अपनी शैक्षणिक जगत में महत्व को राष्ट्रीय स्तर पर अपने कार्यक्रमों के बदौलत अलग मुकाम दे दी है। शैक्षणिक कार्यक्रमों में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए शोध संगोष्ठियों का अलग महत्व रहा है, साथ ही देश के विभिन्न केन्द्रीय विश्वविद्यालय भी इस भाषाई विविधता को एक प्रांगण में समेत कर सांस्कृतिक अपनापन को विकसित कर रहें हैं।

हाल के दिनों में दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया विभाग के द्वारा भारतीय भाषा समिति के तत्वाधान में आयोजित भारत भाषा सम्मलेन में बिहार सहित देश के अन्य हिस्सों के शोधार्थियों ने अपनी प्राथमिक भाषा में लिखें शोध पत्रों का वाचन किया तो यह समझने में श्रोताओं को लाभ मिला कि केवल हिंदी का उत्थान ही भारतीय भाषा का उत्थान नहीं है बल्कि यह एक विमर्श के स्तर पर पहुँच गया कि क्षेत्रीय भाषाओँ का विकास भी इस नई शिक्षा नीति का उद्देश्य है और इसे अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हाल के वर्षों में जिस प्रकार से भारत और इण्डिया शब्द पर देश के नाम को लेकर विवाद गहराया था उस वक्त भी भारतीय भाषाओँ के मूल को समझने की कोशिश हुई तो कई विद्वानों ने इसपर तरह-तरह के विमर्श पेश किये लेकिन समझने की जरुरत है कि आखिर भारतीय भाषाओँ के मूल में हमारे देश के वैश्विक पहचान के लिए भारत शब्द कितना कारगर हो सकता है यह वर्तमान सरकार ने प्रासंगिक कर दिया। जी-20 के दौरान जब भारत के राष्ट्रपति के द्वारा विदेशी मेहमानों को आमंत्रण पत्र भेजे गये तो 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखा गया तो देश के नाम को बदलने की अफवाह उडाई गयी लेकिन विरोध के अंधी दौड़ में लोग यह भूल गए कि हमारे देश के संविधान में ही इण्डिया दैटइज भारत कहने के पीछे यही तात्पर्य रहा होगा कि भारत ही इस भूखंड का असल नाम है जिसे इण्डिया भी कहा जाता है। वैसे परिस्थिति में भारत और इण्डिया जो दोनों ही संज्ञा के रूप में विद्यमान है उसे सह-अस्तित्व के रूप में हमारे पूर्वजों ने स्वीकार किया था।

वर्षों की गुलामी ने हमारे देश में विकासवादी कदमों और राष्ट्रीय मूल्यों पर कभी गहनता से कार्य करने को प्रेरित ही नहीं किया लेकिन वर्तमान दौर ने यह सब गौण मुद्दों को मुख्यधारा में शामिल कर आज राष्ट्रीय हित के विषयों के रूप में चर्चा का विषय बना दिया है। देश के संविधान के आठवीं अनुसूची में वर्णित 22 भारतीय भाषाओँ को शैक्षणिक गतिविधियों में पहचान दिलाने के लिए शुरू हुए कार्य अब धरातल पर दिखने लगे हैं। यह भाषाएँ केवल बोलचाल और क्षेत्रीय पहचान से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सांस्कृतिक और भाषाई विविधता का प्रतीक बनकर शैक्षणिक संगोष्ठियों में विषयों के रूप में सामने आ रही हैं। केवल बिहार में ही बोली जाने वाली कई भाषाओँ को मगही, मैथिलि, संथाली ही नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की भाषाओँ पर भी विशेष कार्य आरम्भ हो चुके हैं। पहले की सरकारों में हिंदी दिवस को वरीयता दी गयी लेकिन उन्हें केवल कार्यक्रमों तक सीमित रख दिया गया जिसका दुष्परिणाम हुआ कि कार्यक्रमों में अंग्रेजी को खूब कोसने के बाद वक्ता भूल जाते थे कि दैनिक जीवन में इस भाषा को सम्मान दिलाने की पहल भी उन्हें अग्रसर बनकर दिखानी होगी। हाल के वर्षों में यह स्थिति बदली है और देश में संवैधानिक कार्यों के साथ-साथ संसदीय और कार्यालयी कार्यों में भारतीय भाषाओँ का महत्व बढ़ा है।

यह गौर करने वाली बात है कि भारतीय भाषाओँ के संवर्धन का मतलब यह कतई नहीं है कि एक भाषा के महत्व को बताने के लिए अन्य भाषाओँ को दोयम दर्जे पर या महत्वहीन बताकर पेश किया जाएँ। इसी कशमकश और मनःस्थिति से बाहर निकालने को भारतीय भाषा समिति के तत्वाधान में हो रहे इस महत्वपूर्ण कार्य की भूमिका बढ़ जा रही है। आने वाले समय में भारतीय भाषाओँ के प्रति स्थापित पूवार्नुमान और सामाजिक सोच में क्रांतिकारी परिवर्तन आने की सम्भावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। साथ ही भारतीयता की जो असल पहचान है वो भारत की भाषाओँ से नैसर्गिक रूप से निखर कर वैश्विक पटल पर अपनी अमिट पहचान छोड़ेगी।

पाकिस्तान में मोटरसाइकिल बम विस्फोट में दो लोगों की मौत, पांच घायल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दक्षिण पश्चिम पाकिस्तान में एक मोटरसाइकिल पर लगाए बम में विस्फोट से दो लोगों की मौत हो गयी तथा पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा को पड़ोसी सिंध प्रांत में कराची शहर से जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग पर स्थित खुजदर में रविवार को हुए इस विस्फोट की अभी किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। पुलिस उपायुक्त मोहम्मद आरिफ जरकोन ने बताया कि घायलों में एक महिला और दो पुलिस अधिकारी शामिल हैं।

अपडेट न्यूज

सेबी ने यूट्यूबर रवींद्र बालू भारती के संस्थान को 12 करोड़ रुपये लौटाने को कहा

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने यूट्यूब 'इंफ्लूएंसर' रवींद्र बालू भारती की अगुवाई वाले रवींद्र भारती एजुकेशन इंस्टिट्यूट को पूंजी बाजार से प्रतिबंधित करने के साथ गैरकानूनी ढंग से अर्जित 12 करोड़ रुपये लौटाने का निर्देश दिया है। यह राशि किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में विशेष रूप से इसी मकसद से खोले गए एस्क्रो खाते में जमा करने का निर्देश दिया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने रवींद्र बालू भारती की पत्नी शुभांगी रवींद्र भारती और निदेशकों – राहुल अनंत गोसावी और धनश्री चंद्रकांत गोसावी को भी प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। इन लोगों को किसी भी पंजीकृत मध्यस्थ से किसी भी रूप में जुड़ने से भी रोक दिया गया है। रवींद्र भारती और उनकी पत्नी शुभांगी ने वर्ष 2016 में रवींद्र भारती एजुकेशन इंस्टिट्यूट प्राइवेट लिमिटेड (आरबीईआईपीएल) की स्थापना की थी। कंपनी शेयर बाजार कारोबार से संबंधित प्रशिक्षण या शिक्षण में शामिल होने का दावा करती है। सेबी ने शुक्रवार को जारी अपने अंतरिम आदेश में कहा कि यह संस्थान विचार के बदले में निवेश, खरीद, बिक्री या निवेश उत्पादों से निपटने के संबंध में सलाह देने में शामिल था। निवेशकों को 25 प्रतिशत से लेकर 1,000 प्रतिशत तक रिटर्न का अनुमान लगाकर सलाहकार सेवाएं लेने का लालच दिया गया था। सेबी के मुताबिक, पंजीकरण के बैगर निवेश सलाहकार सेवाओं में संलग्न होना नियामकीय मानदंडों का उल्लंघन करता है। लिहाजा इस तरह अर्जित कुल गैरकानूनी लाभ 12,03,82,130.91 रुपये की राशि जब्त की जाएगी।

पीएम मोदी के समर्थकों ने अमेरिका के 16 से अधिक शहरों में रैली निकाली

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी राजधानी में ऐतिहासिक राष्ट्रीय स्मारक और लिंकन स्मारक से लेकर ईस्ट कोस्ट में प्रतिष्ठित गोल्डन ब्रिज तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सैकड़ों समर्थकों ने आगामी लोकसभा चुनावों में उनकी जीत के लिए रैलियां कीं और भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के 400 से ज्यादा सीट जीतने की उम्मीद जताई। 'ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी (ओएफबीजेपी) यूएसए' द्वारा रविवार को 'मोदी का परिवार मार्च' रैलियों का आयोजन किया गया था।

एक मीडिया विज्ञप्ति में रविवार को कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी के दोबारा चुनाव और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भारत में आगामी लोकसभा चुनावों में 400 से अधिक सीटें जीतने के समर्थन में 16 से अधिक शहरों में प्रमुख स्थानों पर रैलियां आयोजित की गईं। ओएफबीजेपी-यूएसए के अध्यक्ष अदापा प्रसाद ने कहा, ''भारत के विभिन्न राज्यों, कश्मीर से केरल और महाराष्ट्र से लेकर पूर्व का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय अमेरिकी समुदाय के सदस्य अमेरिका के 16 से अधिक शहरों में प्रमुख स्थानों पर 'मोदी का परिवार' के रूप में मार्च करने के लिए जुटे।'' सैन फ्रांसिस्को, ह्यूस्टन और अटलांटा सहित 16 शहरों में मार्च आयोजित किए गए।

सैन फ्रांसिस्को से सचिन्द्र नाथ ने कहा कि मार्च ने मोदी के नेतृत्व के प्रति गहरे सम्मान और एकजुटता और आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में ''अबकी बार 400 पार'' की सामूहिक आकांक्षा को प्रदर्शित किया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी आयु वर्ग के प्रतिभागी मोदी और भारत के लिए उनके दृष्टिकोण के प्रति अपना अटूट समर्थन व्यक्त करने के लिए एकत्र हुए।

अडाणी की इकाई नई एमजी डीलरशिप में ईवी चार्जिंग स्टेशन करेगी स्थापित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अडाणी समूह और फ्रांसीसी ऊर्जा कंपनी टोटलएनर्जीज के संयुक्त उद्यम की एक इकाई चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत करने के लिए नई एमजी डीलरशिप में ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करेगी। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा, '' अडाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अडाणी टोटलएनर्जीज ई-मोबिलिटी लिमिटेड (एटीईएल) और एमजी मोटर इंडिया ने भारत में ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।''

एमओयू के तहत एटीईएल चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत करने और ग्राहक पहुंच बढ़ाने के लिए आगामी एमजी डीलरशिप पर सीसी2 60 किलोवाट डीसी चार्जर स्थापित करेगा। एमजी मोटर इंडिया के मुख्य वृद्धि अधिकारी ने कहा, '' एमजी कार्बन तटस्थता, स्थिरता तथा हरित परिवहन के लिए प्रतिबद्ध है। हमें अडाणी टोटलएनर्जीज ई-मोबिलिटी लिमिटेड के साथ एक नई यात्रा शुरू करने को लेकर खुशी है। यह भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी।'' एटीजीएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुरेश पी. मंगलानी ने कहा, '' चार्जिंग आधारभूत संरचना विकसित करने के लिए अडाणी टोटलएनर्जीज ई-मोबिलिटी लिमिटेड और एमजी मोटर इंडिया की साझेदारी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह भारत के ऊर्जा बदलाव को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह प्रयास कार्बन उत्सर्जन को कम करने और स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने में योगदान देगा।

उत्तरी अमेरिका में पूर्ण सूर्य ग्रहण देखने उमड़ी लोगों की भीड़

मेस्क्वाइट, (एजेंसी)। मेक्सिको से अमेरिका और कनाडा तक फैले एक संकरे गलियारे में लाखों दर्शक सोमवार को होने वाली खगोलीय घटना -पूर्ण सूर्य ग्रहण- का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं, जबकि पूवार्नुमानकताओं ने बादल छाए रहने की आशंका जाहिर की है। वर्मोंट और मेन के साथ-साथ न्यू ब्रंसविक और न्यूफाउंडलैंड में ग्रहण के अंत में सबसे अच्छे मौसम की उम्मीद है। ऐसे में उत्तरी अमेरिका में, ग्रहण देखने वालों की अब तक की सबसे बड़ी भीड़ जुटने की उम्मीद है। घनी आबादी वाले रास्ते, टेक्सास और अन्य पसंदीदा स्थानों में दोपहर में चार मिनट तक अंधेरा छाए रहने की उम्मीद आकर्षण का बड़ा कारण है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के मौसम विज्ञानी एलेक्सा मेन्स ने रविवार को क्लीवलैंड के 'ग्रेट लेक्स साइंस सेंटर' में बताया, ''बादल छाए रहना पूवार्नुमान लगाने में सबसे कठिन चीजों में से एक है। कम से कम, बर्फबारी नहीं होगी।'' डलास के बाहर एक ट्रेलर रिसॉर्ट में रह रहे गोथम (इंग्लैंड) के क्रिस लोमास ने कहा, ''यह सिर्फ अन्य लोगों के साथ अनुभव साझा करने के बारे में है।'' बदली छाई रहेगी या धूप खिलेगी इस अनिश्चितता ने रोमांच को और बढ़ा दियाहै। पूर्ण सूर्य ग्रहण करीब चार मिनट 28 सेकंड तक रहेगा। सात साल पहले अमेरिका के तटीय क्षेत्र में दिखे सूर्य ग्रहण के नजारे से इस बार यह लगभग दोगुना ज्यादा समय तक दिखेगा। अमेरिका में इस तरह का अगला सूर्यग्रहण इसके बाद करीब 21 साल बाद नजर आएगा।

मोदी के बाद अब तिरंगा, मालदीव ने फिर उड़ाया भारत का मजाक

मालदीव की 'बदनाम मंत्री' अब भी नहीं सुधरीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चीन के चंगुल में फंसता मालदीव बर्बाद होता जा रहा है। मुइज्जू सरकार की हरकतों के चलते देश के अंदर कई तरह की समस्याएं देखने को मिल रही हैं। लेकिन ऐसे वक्त में भी भारत विरोधी मुइज्जू सरकार अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही है। अक्सर विवादों में रहने वाली मालदीव की पूर्व मंत्री मरियम शिउना ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। वो भी तब जब हाल ही में भारत ने मालदीव की सहायता की थी। मरियम शिउना ने मालदीव में होने वाले चुनाव को लेकर विपक्षी एमडीपी पर निशाना साधते हुए फिर से भारत का मजाक उड़ाया है। मरियम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर पोस्ट की इसमें भारतीय तिरंगे के अशोक चक्र की एक बदली हुई तस्वीर थी। जिसमें भारत के राष्ट्रीय ध्वज को खराब रोशनी में दशार्या गया। मरियम शिउना ने इस तरह की हरकत तब की है जब

जरूरी सामान के निर्यात को बढ़ाने पर भारत सहमत हुआ है। हालांकि भारत के लोगों ने जब ये पोस्ट देखा और उस पर जमकर मरियम शिउना को लताड़ा तो शिउना ने ये पोस्ट डिलीट कर दी।

पोस्ट डिलीट करने के बाद शिउना ने कहा कि उन्हें फोटो के भारतीय झंडे से मिलते-जुलते होने की जानकारी नहीं थी। वो भविष्य में सावधान रहेंगी। शिउना ने कहा कि मैं हालिया सोशल मीडिया पोस्ट को संबोधित करना चाहती हूं। मैं हालिया पोस्ट के कारण हुए किसी भी भ्रम के लिए माफी मांगती हूं। ये मेरे ध्यान में लाया गया कि ये मालदीव की विपक्षी पार्टी एमडीपी की मेरी प्रति प्रतिक्रिया भारतीय ध्वज से मिलती झुलती थी। ये स्पष्ट करना चाहती हूं कि अनजाने में हुई थी। किसी भी तरह की गलतफहमी के लिए मुझे खेद है। आपको बता दें कि ये वही मरियम शिउना है जिसने पीएम मोदी की लक्षद्वीप यात्रा को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी। मालदीव की सरकार ने तब इससे खुद को अलग कर लिया था।

भारत के मालदीव को आवश्यक वस्तुओं के निर्यात की अनुमति देने पर मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने शनिवार को आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला दीर्घकालिक द्विपक्षीय मित्रता और व्यापार एवं वाणिज्य को बढ़ाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के दौरान मालदीव को अंडे, आलू, प्याज, चावल, गेहूं का आटा, चीनी और दाल जैसी कुछ वस्तुओं की निर्दिष्ट मात्रा के निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया था। भारतीय उच्यायुक्त ने शुक्रवार को यहां कहा कि मालदीव सरकार के आग्रह पर भारत ने 2024-25 के लिए जरूरी वस्तुओं की निर्दिष्ट मात्रा में निर्यात की अनुमति दी है।

फरवरी में दूरसंचार ग्राहकों की संख्या बढ़कर 119.7 करोड़ हुई

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। देश में दूरसंचार ग्राहकों की संख्या फरवरी में एक महीने पहले की तुलना में 0.38 प्रतिशत बढ़कर 119.7 करोड़ हो गई। दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को यह आंकड़ा जारी किया। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) की रिपोर्ट कहती है कि फरवरी में शहरी टेलीफोन ग्राहकों की संख्या 0.40 प्रतिशत बढ़कर 66.37 करोड़ हो गई जबकि ग्रामीण उपभोक्ता 0.34 प्रतिशत की क्रमिक वृद्धि दर के साथ 53.13 करोड़ हो गई। ट्राई की मासिक ग्राहक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रॉडबैंड के कुल ग्राहकों की संख्या भी जनवरी के अंत में 91.10 करोड़ से बढ़कर फरवरी के अंत में 91.67 करोड़ हो गई।

ब्रॉडबैंड बाजार में शीर्ष पांच सेवा प्रदाताओं की हिस्सेदारी 98.35 प्रतिशत है। इनमें रिलायंस जियो(52.2 प्रतिशत), भारती एयरटेल (29.41 प्रतिशत), वोडाफोन आइडिया (13.80 प्रतिशत), बीएसएनएल (2.69 प्रतिशत), और एट्रिया कन्वर्जेंस (0.24 प्रतिशत) शामिल हैं। रिपोर्ट कहती है कि फरवरी में लैंडलाइन और मोबाइल सेवा दोनों क्षेत्रों में सभी सर्किलों में ग्राहक आधार में वृद्धि दर्ज की गई।

फरवरी के अंत में लैंडलाइन ग्राहकों की संख्या 1.73 प्रतिशत की मासिक वृद्धि के साथ 3.31 करोड़ हो गई। ट्राई ने कहा कि लैंडलाइन बाजार में सार्वजनिक कंपनियों बीएसएनएल, एमटीएनएल और एपीएसएफएल की कुल 28.18 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। दूरसंचार नियामक के मुताबिक, फरवरी महीने में वायरलेस ग्राहकों की कुल संख्या 0.34 प्रतिशत की मासिक वृद्धि के साथ बढ़कर 116.46 करोड़ हो गई।

कुछ ही दिनों में जेल से बाहर आने वाले हैं इमरान

इस दावे ने शहबाज-सेना दोनों की उड़ाई नींद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता सरदार लतीफ खोसा ने दावा किया है कि पार्टी के संस्थापक इमरान खान अप्रैल में जेल से रिहा हो जाएंगे। खोसा ने एआरवाई न्यूज पर एक शो में अपनी उपस्थिति के दौरान कहा, तोशाखाना मामले में पूर्व प्रधान मंत्री की सजा को अदालत ने निलंबित कर दिया है, जबकि सिफर मामला एक सप्ताह भी नहीं टिकेगा। 9 मई के दंगों से संबंधित किसी भी मामले में पीटीआई संस्थापक की संलिप्तता साबित नहीं हुई थी, खोसा ने सिफर मामले में पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान की सजा को यह कहकर खारिज कर दिया कि दस्तावेज अदालत के समक्ष उपलब्ध नहीं कराए गए थे।

पीटीआई नेता ने पुष्टि की कि पार्टी के संस्थापक अपनी रिहाई के लिए बातचीत नहीं करेंगे या देश छोड़कर नहीं भागेंगे। खोसा ने जोर देकर कहा कि इमरान खान चाहते हैं कि सभी संस्थाएं पाकिस्तान के संविधान के अनुसार काम करें और वह बदले की राजनीति के खिलाफ हैं। राजनीतिक संवाद पर, पीटीआई नेता ने कहा कि पीटीआई संस्थापक के साथ बातचीत 8 फरवरी के चुनाव में पार्टी को मिले जनादेश को वापस करने के बाद संभव होगी।

एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, खोसा ने शहबाज शरीफ सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह अपनी पसंद का गृह मंत्री भी नियुक्त नहीं कर सकते। इससे पहले, एआरवाई न्यूज कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति के दौरान, पीटीआई अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान ने पार्टी के दावे को दोहराया कि इमरान खान को इस महीने जेल से रिहा कर दिया जाएगा। पीटीआई संस्थापक के खिलाफ मामलों को "राजनीति से प्रेरित मामले" बताते हुए उन्होंने घोषणा की कि खान के खिलाफ सभी कानूनी कार्यवाही समाप्त हो रही है।

पाकिस्तान की जरा भी इज्जत नहीं करते चीनी नागरिक

मरियम ने लगाए आरोप, भड़के जिनपिंग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बारूद के ढेर पर बैठे आतंकी मुल्क पाकिस्तान अब आतंक की आग में खुद झुलस रहा है। खैबर पख्तूनवा में हुए आतंकी हमले का दर्द पाकिस्तान के मददगार चीन ने भी महसूस किया। मरने वालों में पांच लोग तो केवल चीन के थे। अब चीनी नागरिक पाकिस्तान छोड़ने की योजना बना रहे हैं। पाकिस्तान ने भी चीनी नागरिकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पाकिस्तान के इन आरोपों से चीन और पाकिस्तान के बीच के रिश्ते और बिगड़ सकते हैं।

नवाज शरीफ की बेटी और पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने पाकिस्तान में रहने वाले चीन के नागरिकों पर आरोप लगाया

है। उन्होंने कहा कि वो पाकिस्तान की पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों का जरा भी इज्जत नहीं करते हैं।

मरियम नवाज ने खुद कहा कि चीनी नागरिक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए कहे जाने पर नाराज हो जाते हैं। यहां पर रहने वाले चीनी नागरिक सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करना चाहते हैं। जब उन्हें सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने को कहा जाता है तो वो नाराज हो जाते हैं। मरियम के इस बयान के बाद से पाकिस्तान और चीन में तनाव और बढ़ सकता है। आत्मघाती हमलावरों ने विस्फोटकों से भरी कार चीनी इंजीनियरों के काफिले में घुसा दी। टक्कर के बाद चीनी इंजीनियरों की कार खाई में गिर गई। इस जबरदस्त धमाके में पांच चीनी इंजीनियरों की मौत हो गई। जबकि एक ड्राइवर को भी अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक सभी चीनी इंजिनयर दासू में अपने कैंप की ओर जा रहे थे।

पाकिस्तान में चीनी नागरिकों को काफी समय से निशाना बनाया जा रहा है। दासू पहले भी आतंकियों के निशाने पर रहा है। साल 2021 में भी एक बड़ा हमला हुआ था। पाकिस्तान के आतंकी हमले में 9 चीनी इंजीनियर मारे गए थे। जब चीनी इंजीनियर से भरी बस पर अटैक हुआ था। हमले में नौ चीनी इंजीनियर समेत 12 की मौत हुई।

मोजाम्बिक में नौका पलटने से 90 से अधिक लोगों की मौत : स्थानीय मीडिया

हरारे, (एजेंसी)। मोजाम्बिक के उत्तरी तट पर रविवार को एक अस्थायी नौका पलट जाने से उसमें सवार बच्चों समेत 90 से अधिक लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। स्थानीय ऑनलाइन प्रसारणकर्ता 'टीवी डियारियो नामपुला' की खबर के अनुसार, नाव में उसकी क्षमता से अधिक लोग सवार थे। उसने बताया कि नौका में 130 लोग सवार थे और डूबने वालों में कई बच्चे थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि नौका देश के उत्तर में स्थित नामपुला प्रांत के लुंगा से मोजाम्बिक द्वीप जा रही थी और तभी वह पलट गई। ऐसा बताया जा रहा है कि कई लोग अब भी लापता है। बचाव प्रयास सोमवार को भी जारी रहा।

'टीवी डायरियो नामपुला' की खबर के अनुसार, कुछ लोग एक मेले में भाग लेने के लिए यात्रा कर रहे थे, जबकि अन्य लोग ''हैजा के संक्रमण से बचने के लिए लुंगा से मोजाम्बिक द्वीप जाने की कोशिश कर रहे थे।''

अन्य समाचार रिपोर्ट में नामपुला प्रांत के राज्य सचिव जैमे नेटो के हवाले से कहा गया कि कथित हैजा फैलने के बारे में गलत सूचना के कारण लोग घबरा गए और भागने की कोशिश में नाव पर चढ़ गए।

यह नौका आमतौर पर मछली पकड़ने के लिए इस्तेमाल की जाती थी। मोजाम्बिक और उसके पड़ोसी दक्षिण अफ्रीकी देशों जिम्बाब्वे और मलावी हालिया महीनों में हैजा के प्रकोप से प्रभावित हुए हैं। मोजाम्बिक के कई स्थानों तक केवल नौकाओं के जरिए ही पहुंचा जा सकता है और इन नौकाओं में अकसर क्षमता से अधिक लोग सवार रहते हैं। देश में सड़क नेटवर्क खराब है और कुछ क्षेत्रों तक जमीन या हवाई मार्ग से पहुंचा नहीं जा सकता।

बांग्लादेश के सुरक्षाबलों ने आदिवासी विद्रोही समूह के शीर्ष कमांडर को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बांग्लादेश की सुरक्षा एजेंसियों ने एक इस्लामिक आतंकवादी संगठन से संदिग्ध रूप से जुड़े एक आदिवासी विद्रोही समूह के एक वरिष्ठ कमांडर को रविवार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि इस गिरफ्तारी से कुछ दिन पहले इस समूह ने दक्षिणपूर्वी पर्वतीय क्षेत्र में सरकारी बैंकों को लूटा था और एक बैंक प्रबंधक का अपहरण कर लिया था। अपराध रोधी त्वरित कार्रवाई बटालियन (रैब) ने बताया कि उन्होंने कुकी-चिन नेशनल फ्रंट (केएनएफ) के एक अहम समन्वयक चियोसिम बोम को गिरफ्तार किया है। रैब के क्षेत्र कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल एचएम सज्जाद ने बंदरबन में पत्रकारों को बताया, ''हमने बंदरबन शहर के बाहरी इलाके में उसके घर पर छापे के दौरान उसे एक बंद अलमारी में छिपे हुए पाया।'' यह गिरफ्तारी ऐसे वक्त में की गयी है जब सेना प्रमुख जनरल शफीउद्दीन अहमद ने बंदरबन का दौरा किया जहां उन्होंने कहा कि सैन्य नेतृत्व ने केएनएफ को खत्म करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। खबरों के अनुसार, बैंक प्रबंधक को मध्यस्थता के जरिए तीन दिन बाद रिहा कर दिया गया लेकिन केएनएफ के इस कृत्य से आदिवासी जिला परिषद के प्रमुख को शांति वार्ता निलंबित करनी पड़ी।

बीएसई एमकैप ने रचा इतिहास

4 लाख करोड़ के पार हुआ आंकड़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में लंबे समय से ऐतिहासिक रैली चल रही है। ऐतिहास रैली के बीच ही घरेलू शेयर बाजार में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे है। नए रिकॉर्डज भी लगातार बन रहे है। ऐसा ही नया रिकॉर्ड इस वर्ष वित्त वर्ष 2024 में हुआ है। शेयर बाजार इस दौरान सबसे अधिक ऊंचाई पर पहुंचा था। वहीं अब ये फिर से नया इतिहास रचने में सफल हआ है। सोमवार आठ अप्रैल को घरेलू शेयर बाजार में नया इतिहास रचा गया है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के एमकैप ने पहली बार 400 करोड़ का आंकड़ा पार किया है।

बीएसई की वेबसाइट के अनुसार शुरूआती सेशन में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों को बाजार पूंजीकरण 40088716 करोड़ रुपये के आसपास पहुंचा है। ये पहला मौका है जब भारतीय शेयर बाजार का एमकैप 400 लाख करोड़ के पार हुआ है। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी कोषों के प्रवाह के बीच घरेलू सूचकांक में सोमवार को शुरूआती कारोबार

में तेजी आई। सेंसेक्स और निफ्टी अपने-अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 307.22 अंक उछलकर 74,555.44 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर और एनएसई निफ्टी 79.6 अंक चढ़कर 22,593.30 पर रहा। निफ्टी शुरूआती सौदों के बाद 22,623.90 अंक के अपने सर्वकालिक शिखर पर और बीएसई 74,658.95 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक और जेएसडब्ल्यू स्टील कंपनियों के शेयर फायदे में रहे। विप्रो और एचडीएफसी बैंक के शेयरों को नुकसान हुआ। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की225 फायदे में रहे, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट तथा हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को मुख्यतः सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 89.71 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 1,659.27 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

बिल गेट्स ने मोदी से क्या खुलासा किया

डिजिटल बूथ कैप्चरिंग के जरिए फिर तबाही लाने की तैयारी में चीन!

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में 18वीं लोकसभा का शंखनाद हो चुका है। लोकतंत्र के मंदिर में जनता एक बार फिर अपनी पसंद की सरकार चुनने जा रही है। लेकिन तानाशाही की तरफ कदम बढ़ा चुका चीन भारत के लोकतंत्र के पर्व से परेशान है। इसमें खलल डालने के लिए वो नापाक कोशिश में जुटा है। पिछले महीने ही 29 मार्च को पीएम मोदी ने उद्योगपति बिल गेट्स से मुलाकात की थी। दोनों ने एआई जैसे मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की थी। जिसमें पीएम मोदी ने भारत जैसे लोकतांत्रकि देश में एआई-डीफेक पर चिंता जाहिर की थी। अब तक भारत की जमीन पर तिरछी नजर टिकाए चीन अब भारत के चुनाव को प्रभावित करने की तिकड़म भिड़ा रहा है। अपने देश के नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी कैद

कर चीन भारत में डिजिटल बूथ कैप्टरिंग की कोशिश में है। चीन की इन हरकतों का खुलासा माइक्रोसॉफ्ट की इंटेलिजेंस टीम ने किया है। जिसके मुताबिक चीन भारत में चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। वो एआई के जरिए गलत जानकारी मतदाताओं तक पहुंचा सकता है। किसी विशेष राजनीतिक दल के प्रति वोटरों का रूझान बढ़ाने की कोशिश कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट ने बताया कि इस साल दुनिया भर में विशेष रूप से भारत, दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले प्रमुख चुनावों के साथ हमारा आकलन है कि चीन अपने हितों को लाभ पहुंचाने के लिए एआई-जनित सामग्री का निर्माण और विस्तार करेगा ये सभी वो देश हैं जिनसे चीन की तनातनी जारी है। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा है कि इस साल अमेरिका, भारत और दक्षिण कोरिया में होने वाले चुनावों को चीनी और कुछ हद तक उत्तर कोरियाई साइबर हमलावर निशाना बनाने के लिए काम करेंगे। चीन मतदाताओं को सबसे अधिक विभाजित करने वाली बात जानने के लिए फेक सोशल मीडिया अकाउंट का उपयोग कर रहा है और संभवतः अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे को अपने पक्ष में प्रभावित कर सकता है।

अमेरिका में विमान के इंजन का कवर निकला, उड़ान वापस लौटी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका में साउथवेस्ट एयरलाइन के एक विमान के उड़ान भरने के दौरान उसके इंजन का कवर निकलकर ''विंग फ्लैप'' में फंस गया जिसके बाद विमान को कोलोरैडो राज्य के डेनवर लौटना पड़ा। संघीय विमानन प्रशासन ने यह जानकारी दी। साउथवेस्ट एयरलाइन ने एक बयान में बताया कि बोइंग 737 विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और ह्यूस्टन जा रहे यात्रियों को दूसरे विमान में सवार कराया गया है। बयान के मुताबिक, विमानन कंपनी ने कहा है कि उसके रखरखाव दल विमान का परीक्षण कर रहे हैं।

एयरलाइन के विमान में इस हफ्ते दूसरी बार खराबी आई है। पिछले बृहस्पतिवार को उसकी टेक्सास से रवाना होने वाली उड़ान को, विमान के इंजन में आग लगने की सूचना के बाद रद्द करना पड़ा था।

बेंगलुरु, (एजेंसी)। बेंगलुरु के केआर पुरम में सोमवार को केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे की कार के खुले दरवाजे से कथित तौर पर टकराने के बाद हुए हादसे में एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, घटना क्षेत्र के गणेश मंदिर के पास हुई। मृतक की पहचान प्रकाश के रूप में हुई है। सूत्रों ने बताया कि मंत्री कार के अंदर थीं और वह चुनाव प्रचार के लिए जा रही थीं। सूत्रों ने बताया कि जैसे ही मंत्री की कार का दरवाजा खुला, प्रकाश उससे टकराकर गिर गया और पीछे से आ रहा एक ट्रक उसके ऊपर चढ़ गया।

कांग्रेस के घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की झलक

बीजेपी कैसे कर रही 88 साल पुराने मेनिफेस्टो से लिंक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में लोकसभा चुनाव को लेकर अब प्रचार जबरदस्त तरीके से जोर पकड़ता दिखाई दे रहा है। भाजपा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार प्रचार कर रहे हैं। इन सब के बीच पिछले दिनों कांग्रेस की ओर से घोषणा पत्र भी जारी कर दिया गया। हालांकि, अब कांग्रेस का घोषणा पत्र चर्चा का केंद्र में आ गया है। साथ ही इसे मुस्लिम लीग से जोड़ा जा रहा है। यानी की चुनावी मौसम में नाना करते हुए भी अब मुस्लिम लीग का जिक्र होने लगा है। कुछ नेता तो कांग्रेस के घोषणा पत्र को पाकिस्तान चुनाव की घोषणा पत्र बता रहे हैं। चुनावी मौसम में मुस्लिम लीग और पाकिस्तान का तड़का लगने के साथ ही प्रचार का टेस्ट भी बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। वार-पलटवार की राजनीति भी तेज हो रही है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र पर वार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले सहारनपुर में मुस्लिम लीग को लेकर अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती है, जो आजादी के आंदोलन के समय मुस्लिम लीग में थी। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप है और इसका जो कुछ हिस्सा बचा रह गया, उसमें वामपंथी पूरी तरह हावी हो चुके हैं। बिहार के नवादा में नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि आम चुनाव के लिये पार्टी की ओर से जारी घोषणापत्र में ''तुष्टिकरण की राजनीति'' की बू आ रही है और ये ऐसा है मानो इसे मुस्लिम लीग लेकर आई है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस का असली चेहरा कुछ और नहीं बल्कि मुस्लिम लीग का छिपा हुआ एजेंडा है। यहां तक कि अपने घोषणापत्र में भी उन्होंने उल्लेख किया है कि वे व्यक्तिगत कानूनों को बनाए रखने की कोशिश करेंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का चुनाव घोषणापत्र भारत की तुलना में पड़ोसी पाकिस्तान में चुनाव के लिए अधिक उपयुक्त है। बीजेपी नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि आप (कांग्रेस) मुस्लिम लीग के एजेंडे के छद्म भागीदार बन गए हैं जो इस देश में विभाजन और नरसंहार के लिए जिम्मेदार है।

यही कारण है कि कांग्रेस 'नॉन परफॉर्मिंग पार्टी' और उसके नेता 'नॉन प्रोडक्टिव पप्पू' बनते जा रहे हैं। शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा वोट बैंक हित को राष्ट्रीय सुरक्षा और हित से ऊपर रखा है। कांग्रेस का घोषणा पत्र इसका ज्वलंत उदाहरण है। पीएम मोदी द्वारा कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र की आलोचना करने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी-शाह के राजनीतिक और वैचारिक पूर्वजों ने स्वतंत्रता संग्राम में भारतीयों के खिलाफ ब्रिटिश और मुस्लिम लीग का समर्थन किया था। मोदी जी के भाषणों में आरएसएस की बू आती है। दिन पर दिन भाजपा की चुनावी हालत इतनी खस्ता होती जा रही है कि आरएसएस को अपने पुराने मित्र - मुस्लिम लीग - की याद सताने लगी है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिन्ना की मुस्लिम लीग से समझौता किया। कांग्रेस ने कभी कोई समझौता नहीं किया।

अपडेट न्यूज

सुपरटेक बिल्डर के प्रमुख सहित पांच के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिले के थाना बिसरख में सुपरटेक बिल्डर के अध्यक्ष आरके अरोड़ा समेत पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने सोमवार को बताया कि संजय सिंह नामक व्यक्ति की शिकायत पर आरके अरोड़ा और अन्य के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि सिंह ने सोमवार रात थाने में शिकायत देकर आरोप लगाया था कि सुपरटेक बिल्डर के अध्यक्ष आरके अरोड़ा, प्रबंध निदेशक (एमडी) मोहित अरोड़ा,प्रबंधक (बिक्री) राजमंगल, योगेश गोस्वामी तथा एक अन्य निदेशक ने इको विलेज प्रथम में फ्लैट देने के नाम पर उससे 73.80 लाख रुपये ले लिए और उसे फ्लैट नहीं दिया। कुमार ने बताया कि शिकायत पर भारतीय दंड संहिता धारा 420 (धोखाधड़ी) और 406 (आपराधिक विश्वासघात)के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। सुपरटेक बिल्डर के मालिक के खिलाफ नोएडा सहित विभिन्न जगहों पर कई मुकदमे दर्ज हैं। उन्हें एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार भी किया चुका है।

हिंदू शादियों के लिए कन्यादान जरूरी नहीं : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने हाल ही में कहा है कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत हिंदू शादियों के लिए कन्यादान जरूरी नहीं है। अदालत ने कहा कि केवल सप्तपदी ही हिंदू विवाह का एक आवश्यक समारोह है और हिंदू विवाह अधिनियम में शादी के लिए कन्यादान का प्रावधान नहीं है। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने गत 22 मार्च को आशुतोष यादव द्वारा दायर एक पुनरीक्षण याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। अदालत ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा सात का भी जिक्र किया। अदालत ने कहा, हिंदू विवाह अधिनियम की धारा सात इस प्रकार है- हिंदू विवाह के लिए समारोह- (1) एक हिंदू विवाह किसी भी पक्ष के प्रथागत संस्कारों और समारोहों के अनुसार मनाया जा सकता है। (2) ऐसे संस्कारों और समारोहों में सप्तपदी (यानी दूल्हा और दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के समक्ष संयुक्त रूप से सात फेरे लेना) शामिल है। सातवां फेरा लेने पर विवाह पूर्ण और बाध्यकारी हो जाता है। न्यायालय ने कहा, इस तरह हिंदू विवाह अधिनियम केवल सप्तपदी को हिंदू विवाह के एक आवश्यक समारोह के रूप में मान्यता प्रदान करता है। वह हिंदू विवाह के अनुष्ठान के लिए कन्यादान को आवश्यक नहीं बताता है। अदालत ने कहा कि कन्यादान का समारोह किया गया था या नहीं यह मामले के न्यायोचित निर्णय के लिए जरूरी नहीं होगा और इसलिए इस तथ्य को साबित करने के लिए अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 311 के तहत गवाहों को नहीं बुलाया जा सकता। पुनरीक्षण याचिका दाखिल करने वाले ने इसी साल छह मार्च को अपर सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक अदालत प्रथम) द्वारा दिए गए आदेश को चुनौती दी थी। इस आदेश में अदालत में मामले की सुनवाई के दौरान दो गवाहों के पुनर्परीक्षण के लिए उन्हें बुलाने से इनकार कर दिया था। न्यायालय ने मुकदमे की कार्यवाही के दौरान अभियोजन पक्ष के दो गवाहों को फिर से गवाही के लिए बुलाने से इनकार कर दिया था। पुनरीक्षण आवेदन भरते समय यह तर्क दिया गया कि अभियोजन पक्ष के गवाह नंबर एक और उसके पिता जो अभियोजन पक्ष के गवाह नंबर दो थे, के बयानों में विरोधाभास था और इस तरह उनकी फिर से गवाही जरूरी थी। अदालत के सामने यह बात भी आयी कि अभियोजन पक्ष ने कहा था कि वर्तमान विवाद में जोड़े के विवाह के लिए कन्यादान आवश्यक था। ऐसे में अदालत ने समग्र परिस्थितियों पर विचार करते हुए कहा कि हिंदू विवाह के अनुष्ठान के लिए कन्यादान आवश्यक नहीं है। पीठ को अभियोजन पक्ष के गवाह संख्या एक और उसके पिता की फिर से गवाही की अनुमति देने का कोई पर्याप्त कारण नहीं मिला और पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी।

बेंगलुरु में 30.92 करोड़ रुपये मूल्य के नकली नोट जब्त, पांच लोग गिरफ्तार

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक में बेंगलुरु पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) ने 30.92 करोड़ रुपये मूल्य के नकली नोट जब्त कर इस सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने सोमवार को बताया कि नकली नोट का कारोबार चलाने वाला गिरोह विभिन्न ट्रस्ट को निशाना बनाता था और उन्हें विभिन्न कंपनियों के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कोष के तहत 40 लाख रुपये देने पर एक करोड़ रुपये दिलाने का वादा करता था। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यह ठगी करने का एक नया तरीका है जो पहले नहीं देखा गया, हालांकि हमें इस बारे में अस्पष्ट जानकारी थी। जालसाजों के इस नेटवर्क ने कई ट्रस्ट से संपर्क किया। वे ट्रस्ट के लोगों को बताते थे कि अगर वे उन्हें नकदी मुहैया कराएंगे तो उन्हें कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कोष के जरिए और पैसा मिलेगा।'' दयानंद ने कहा, ''उन्होंने विभिन्न ट्रस्ट को 100 करोड़ रुपये तक की नकदी भी दिखाई। एक बार जब ट्रस्ट के सदस्य आश्वस्त हो जाते और उन्हें रकम का भुगतान कर देते, तो गिरोह के सदस्य फरार हो जाते थे। यह सामने आया है कि इन्होंने इस तरह से कई लोगों के साथ ठगी की है।'' अधिकारी ने बताया कि सीसीबी की महिला संरक्षण शाखा ने जाल बिछाया और इस गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि गिरोह के पास से अब तक 30.92 करोड़ रुपये मूल्य के नकली नोट जब्त किए गए हैं। दयानंद ने कहा, ''हमने इस सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक को शहर के विल्सन गार्डन में जुए के मामले में पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह के मामले में एक अन्य आरोपी को पहले मुंबई में गिरफ्तार किया गया था। ये आरोपी धनशोधन संबंधी गतिविधियों में शामिल थे।

मानहानि मामला: गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ संजय सिंह की याचिका खारिज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह की गुजरात उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका सोमवार को खारिज कर दी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता पर कथित टिप्पणी के लिए मानहानि मामले में उनके खिलाफ जारी समन को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा, हम वर्तमान याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में पहले ही कहा है कि पक्षों के लिए उपलब्ध सभी दलीलें खुली हैं और निचली अदालत के न्यायाधीश आदेश में की गई किसी भी टिप्पणी से प्रभावित नहीं होंगे। उच्च न्यायालय ने 16 फरवरी को सिंह और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मानहानि मामले में उनके खिलाफ जारी समन को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी थी। केजरीवाल और सिंह ने गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा दायर मामले में एक निचली अदालत द्वारा जारी समन के साथ ही, समन के खिलाफ उनके पुनरीक्षण आवेदन को खारिज करने के सत्र अदालत के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

नोएडा के जीआईपी मॉल के वाटर पार्क में फिसलने से 25 वर्षीय युवक की मौत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एक दुखद घटना में, रविवार को एक वाटरपार्क की यात्रा के दौरान अचानक हालत बिगड़ने के बाद 25 वर्षीय एक व्यक्ति की जान चली गई। मृतक की पहचान दिल्ली निवासी 25 वर्षीय धनजय माहेश्वरी के रूप में हुई है, जब यह दुखद घटना घटी, तब वह अपने चार दोस्तों के साथ द ग्रेट इंडिया प्लेस (जीआईपी) मॉल में वॉटर पार्क की यात्रा पर था।

घटना के बारे में बात करते हुए, नोएडा एडीसीपी मनीष बेश्रा ने कहा कि धनजय ने नोएडा के सेक्टर 38 में स्थित जीआईपी मॉल के अंदर वॉटर पार्क की सवारी पूरी करने के बाद अपने दोस्तों से सांस लेने में समस्या के बारे में शिकायत की। 10-15 मिनट के आराम के बाद भी, उन्हें कोई बेहतर महसूस नहीं हुआ। ; उन्हें जीआईपी मॉल अधिकारियों की एम्बुलेंस द्वारा पास के कैलाश अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने कहा "धनंजय माहेश्वरी नामक 25 वर्षीय व्यक्ति अपने चार दोस्तों के साथ एक वाटरपार्क में आया था। फिसलने के बाद, धनंजय को सांस लेने में कठिनाई का सामना करना पड़ा... बाद में, उसे एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।" उधर, घटना की सूचना मिलते ही माहेश्वरी के परिजन भी नोएडा पहुंच गए। मौत का सही कारण जानने के लिए पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नोएडा) मनीष मिश्रा ने कहा, "हमने कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है, और शव को शव परीक्षण के लिए भेज दिया गया है, जिसके बाद कारण की पुष्टि की जा सकेगी।"

हमारे घोषणापत्र से घबराकर प्रधानमंत्री 'हिंदू-मुसलमान की स्क्रिप्ट' पर उतर आए : सुप्रिया श्रीनेत

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उसके घोषणापत्र से इतने घबराए और डरे हुए हैं कि 'हिंदू-मुसलमान की स्क्रिप्ट' पर उतर जाए हैं। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह दावा भी किया कि कांग्रेस का घोषणापत्र उन सभी समस्याओं का समाधान करने की बात करता है जो मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में देश में पैदा की हैं। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए गत पांच अप्रैल को अपना घोषणापत्र जारी किया जो पांच 'न्याय' के स्तंभ और 25 'गारंटी' पर आधारित है।

पार्टी ने जाति जनगणना कराने, आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करने, युवाओं, महिलाओं एवं किसानों के कल्याण के लिए कई वादे किए हैं। श्रीनेत ने संवाददाताओं से कहा, ''10 साल सत्ता में रहने के बाद आज जब प्रधानमंत्री को अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाकर वोट मांगना चाहिए तो वो घबरा गये हैं। वह फिर से अपनी वही घिसी पिटी हिंदू-मुसलमान की स्क्रिप्ट पर उतर आए हैं।'' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के घोषणापत्र से प्रधानमंत्री इतने बौखलाए हुए, इतने डरे हुए, इतने भयभीत हैं कि अपनी आसन्न हार के चलते वो फिर से अनर्गल बातें कर रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, ''कांग्रेस के घोषणापत्र यानी 'न्याय पत्र' की हर तरफ चर्चा है। मीडिया, विशेषज्ञों और यहां तक कि हमारे विरोधियों को भी यह मानना पड़ रहा है कि ये न्याय पत्र भविष्य के लिए एक बेहतरीन खाका है जिसमें हर वर्ग की बात है। इसी व्यापक दृष्टिकोण की आज देश को जरूरत है।'' उनका कहना था कि इस न्याय पत्र में हर उस समस्या का समाधान है जो मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों से इस देश पर लादी हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 'मुस्लिम लीग' वाले बयान को लेकर पलटवार करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी का मुस्लिम लीग प्रेम फिर छलका। इसीलिए प्रधानमंत्री हर बार की तरह मुद्दों से भटकाने की जीतोड़ कोशिश में लगे हुए हैं।'' श्रीनेत ने आरोप लगाया, ''प्रधानमंत्री के किसी चाटुकार ने जब उनसे कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र तो बहुत चर्चित हो रहा है तो उन्होंने कहा कि घबराओ मत मैं ऐसी बेसिर पैर की बात करूंगा कि चर्चा दूसरी तरफ मोड़ दूंगा।

राघव चड्ढा ने मार ली बाजी

मुंह ताकते रह जाएंगे आतिशी, संजय और सुनीता केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की सियासत को समझना इतना भी आसान नहीं है। दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने का सपना हर राजनीतिक दल का नेता देखता है। लेकिन इस वक्त दिल्ली की सियासत में जिस तरह से उछल पुथल मची हुई है। उससे कई तरह के परिवर्तन के संकेत मिलते हुए साफ नजर आ रहे हैं। एक तरफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी ने बीजेपी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। वहीं दूसरी तरफ पूरे सियासीक्रम से आम आदमी पार्टी के बड़े चेहरे और अरविंद केजरीवाल के करीबी राघव चड्ढा अभी भी गायब हैं। बीते रविवार को आम आदमी पार्टी की तरफ से एक दिन का सामूहिक उपवास रखा गया लेकिन इसमें भी राघव चड्ढा किसी भी तरह से नजर नहीं आए। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद एक सवाल जो सबसे ज्यादा जेहन में है कि दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा?

कोई बता रहा है कि सुनीता केजरीवाल अगली दावेदार हैं, कोई आतिशी को बता रहा है। लेकिन जब से संजय सिंह जेल से बाहर आए हैं तो उन्हें भी इस रेस में शामिल कर लिया गया है। पूरे सियासी घटनाक्रम से गायब राघव चड्ढा को लेकर ये दावा किया जा रहा है कि अगर अरविंद केजरीवाल इस्तीफा देंगे तो अगला सीएम कोई और नहीं बल्कि राघव चड्ढा हो सकते हैं। हालांकि ये सिर्फ दावा है और कयास ही लगाए जा रहे हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा भी हो रही है। इसके साथ ही इस बात की भी चर्चा होने लगी है कि अगर राघव चड्ढा सीएम बनेंगे तो क्या केजरीवाल की दावेदारी कमजोर हो जाएगी। सबसे बड़ा सवाल कि जिस तरह से राघव चड्ढा को लेकर कोई भी तरह की अपडेट साफ तौर पर निकलकर सामने नहीं आ रही है। उनके वापस आने को लेकर भी सस्पेंस लगातार बना हुआ है। ऐसे में सवाल भी उठ रहे हैं कि राघव चड्ढा आखिर क्या बड़ा प्लान कर रहे हैं।

आम आदमी पार्टी के बड़े चेहरे राघव जिनकी शादी में खुद सीएम केजरीवाल से लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान तक पहुंचे थे। वो राघव चड्ढा अपनी पार्टी को बीच मझधार में छोड़कर आखिर वापस क्यों नहीं आना चाहते हैं। इसको लेकर आप से लगातार सवाल भी किया जा रहा, लेकिन इसका कोई ठोस जवाब पार्टी की तरफ से भी नहीं आया। हाल ही में बीजेपी ने आप से राघव चड्ढा को लेकर सवाल किया था। पूछा गया कि आप के इस बुरे दौर में राघव चड्ढा कहा हैं तो दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने जवाब दिया कि वो जहां भी हैं फिलहाल जेल में नहीं हैं। लेकिन अब वो जेल जाएंगे। अफवाहों को लेकर भी उन्हें गोल मोल जवाब दिया। इसके साथ कहा कि वो हमारे साथ हैं। अगर हमारे साथ नहीं होते तो बीजेपी उन्हें कहीं का मुख्यमंत्री बना देती। राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी के होनहार चेहरे के तौर पर जाना जाता है। लेकिन ऐसे वक्त में जब पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। राघव चड्ढा बिल्कुल गायब हैं। ऐसे में कई लोगों को लगता है कि वो बीजेपी को मौका दे रहे हैं। जो लोग आम आदमी पार्टी की गतिविधियों को करीब से देखते हैं तो उन्हें पता है कि चड्ढा को सुर्खियों में बने रहना पसंद है। राघव चड्ढा का दिल्ली और भारत से दूर रहने को लेकर आम आदमी पार्टी के समर्थकों में असमंजस की स्थिति भी है। जिसके बाद से अटकलबाजियों का दौर भी शुरू हो गया है। राघव चड्ढा के लंदन में होने की बात कही जा रही है, जहां उन्होंने आंख की सर्जरी करवाई है। लेकिन टाइमिंग पर गौर करें तो फरवरी और मार्च से ही राघव ने मीडिया इंटरैक्सन बंद कर दिया। ये वही समय है जब ईडी का केजरीवाल पर शिकंजा कसता जा रहा था।

कविता को नहीं मिली अंतरिम जमानत, याचिका हुई खारिज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित धन शोधन मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को अंतरिम जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह उन्हें अंतरिम जमानत देने का उचित समय नहीं है। कविता ने अदालत से अंतरिम जमानत दिए जाने का आग्रह करते हुए कहा था कि उनके 16 वर्षीय बेटे की परीक्षाएं हैं और उसे अपनी मां के ''नैतिक और भावनात्मक समर्थन'' की जरूरत है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस दलील का विरोध करते हुए दावा किया कि कविता ने मामले में सबूत नष्ट किए और गवाहों को प्रभावित किया।

एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कविता उस 'साउथ ग्रुप' की प्रमुख सदस्य थीं, जिस पर राष्ट्रीय राजधानी में शराब लाइसेंस के एक बड़े हिस्से के बदले दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत देने का आरोप है।

कविता (46) को बीआरएस समर्थकों के विरोध प्रदर्शन के बीच 15 मार्च को हैदराबाद स्थित उनके बंजारा हिल्स आवास से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन्हें अगले दिन सात दिन की प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया गया। बाद में हिरासत में पूछताछ के लिए यह अवधि तीन दिन और बढ़ा दी गई। कविता को पिछले मंगलवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

देश में बहुत पुराना है भूख हड़ताल वाला सियासी दांव

ममता से लेकर केसीआर तक, कई लोगों ने लिया है इसका सहारा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की विशाल रैली के एक हफ्ते बाद, आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर और देश के कुछ अन्य हिस्सों में सामूहिक भूख हड़ताल की। भारत में उपवास और भूख हड़ताल को अक्सर राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसका इतिहास भी काफी पूराना है। माना जाता है कि महात्मा गांधी ने ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इसे लोकप्रिय बनाया था। गांधी ने इसे "सत्याग्रह के शस्त्रागार में एक महान हथियार" बताया था और स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कम से कम 20 बार विरोध का यह रूप अपनाया था। उनकी सबसे लंबी भूख हड़ताल 1943 में हुई जब उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान हुई गड़बड़ी के कारण अपनी हिरासत के खिलाफ 21 दिनों तक उपवास किया था। स्वतंत्र भारत में पहला बड़ा आमरण अनशन 1952 में हुआ जब पोट्टी श्रीरामुलु ने अलग आंध्र प्रदेश राज्य की मांग को लेकर खाना बंद कर दिया था। 58 दिनों के बाद श्रीरामुलु की मृत्यु के बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और अंततः सरकार को 1953 में तत्कालीन मद्रास राज्य से आंध्र प्रदेश को अलग करना पड़ा। 1969 में, सिख नेता दर्शन सिंह फेरुमन ने भी चंडीगढ़ सहित पंजाबी भाषी क्षेत्रों को तत्कालीन नव निर्मित पंजाब राज्य में शामिल करने के लिए आमरण अनशन किया था। 74 दिनों के उपवास के बाद उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद उपवास और भूख हड़ताल वाले आंदोलन में एक लंबा विराब लगा। नवंबर 2000 में, जब मणिपुर में 8वीं असम राइफल्स द्वारा 10 नागरिकों को कथित तौर पर गोली मार दी गई थी, तब 28 वर्षीय

कार्यकर्ता इरोम शर्मिला ने हत्या के खिलाफ और बाद में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (एएफएसपीए) के खिलाफ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। अनशन शुरू करने के तीन दिन बाद, इरोम को "आत्महत्या का प्रयास" करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया और वह 16 साल तक पुलिस हिरासत में रहीं, जहां उन्होंने अपनी भूख हड़ताल जारी रखी और उन्हें मणिपुर की आयरन लेडी के रूप में जाना जाने लगा। उन्होंने अपना लक्ष्य हासिल किए बिना 2016 में अपना अनशन समाप्त कर दिया। 2006 में, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने "जबरन भूमि अधिग्रहण" के विरोध में भूख हड़ताल की, जिसके माध्यम से पश्चिम बंगाल में वामपंथी सरकार ने टाटा समूह को उसके नैनो कारखाने के लिए भूमि आवंटित की। तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम और प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह की अपील के बाद उन्होंने अपनी 25 दिनों की भूख हड़ताल बंद कर दी और टाटा अंततः राज्य से हट गया। यह घटना बंगाल की राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई और पांच साल बाद 2011 के विधानसभा चुनावों में ममता को सत्ता में पहुंचा दिया, जिसने तीन दशकों से अधिक के वाम शासन का अंत कर दिया।

ममता सत्ता में आ गईं। 2009 में, तेलंगाना राष्ट्र समिति के नेता के चंद्रशेखर राव या केसीआर ने राज्य की मांग को लेकर आमरण अनशन शुरू किया। कांग्रेस, जो उस समय राष्ट्रीय स्तर पर भी दबाव में थी, 10 दिनों के भीतर नरम पड़ गई और उसने तेलंगाना राज्य के निर्माण का वादा किया। राज्य की सीमा की बारीकियों और राजधानी की पसंद पर व्यापक चर्चा के बाद, तेलंगाना लगभग साढ़े चार साल बाद 2014 में अस्तित्व में आया और केसीआर इसके पहले मुख्यमंत्री बने। 2011 में, भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्यकर्ता अन्ना हजारे के आंदोलन ने भूख हड़ताल को राष्ट्रीय चर्चा में सबसे आगे ला दिया। उनके अनिश्चितकालीन अनशन के चार दिन से भी कम समय में, सरकार उनकी मांगों पर सहमत हो गई और लोकपाल विधेयक का मसौदा तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया, जिसे अंततः 2013 में संसद द्वारा पारित किया गया। आप की जड़ें हजारे के आंदोलन से जुड़ी हैं, जिसमें केजरीवाल भी शामिल थे। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम और तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू राज्य के लिए विशेष दर्जे की मांग को लेकर 2018 में भूख हड़ताल पर चले गए।